ATTENDANCE CHART

School ________ S.V.N HIGH SCHOOL GODHANA

Class : VII Subject : हिन्दी, व्याकरण

Name & Roll	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S
1 अलोक कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
2. दीपक कुमार	P	P	P	P	P	.		P	P	P	.	P	P		P	.	P	P	.	P
3. गीता कुमारी	P	P	P	.	P	P		P	P	P	P	.	P		P	P	P	P	P	P
4. गोपाल चौधरी	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
5. नीशा कुमारी	P	P	.	P	P	P		P	P	.	P	P	P		P	.	P	P	P	P
6. अमरेन्द्र बैठा	P	P	P	P	.	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	.	P
7. कुलदीप कुमार	.	P	P	P	P	P		P	P	P	.	P	P		P	P	P	.	P	P
8. अमरदेव कुमा०	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
9. प्रकाश चौहान	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
10 अंजली कुमारि	P	.	P	P	P	.		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	.	P
11. नवीन कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
12. काजल कुमारी	P	P	P	P	.	P		P	P	P	P	P	P		.	P	P	P	P	P
13. नीरजला कुमारि	.	P	.	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
14. पायल कुमारि	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	.	P
15. अरुणा कुमार	P	P	P	.	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
16. राजू कुमार	P	P	P	P	P	P		.	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
17. राकेश कुमार	.	P	P	P	P	P		P	P	P	P	.	P		P	P	P	P	P	P
18. गुंजा कुमारी	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
19. अमूल कुमार	P	P	P	P	.	P		P	P	P	P	P	.		P	P	P	P	P	P
20. उपेन्द्र मिश्रा	P	.	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
21. विरेन्द्र कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	.	P	P	P	P
22. पूर्वी कुमारी	P	P	.	P	P	P		P	P	.	P	P	P		P	P	P	P	P	P
23. चाँदनी कुमारी	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	.	P
24. दिनबन्धु तिवारी	P	P	P	.	P	P		P	P	.	P	.	P		P	P	P	.	P	P
25. रामशरण कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
26. महराजिया देवी	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
27.																				
28.																				

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

ATTENDANCE CHART

School: S.V.M. HIGH SCHOOL GOHANA

Class: VIII

Subject: हिन्दी, व्याकरण

Name & Roll	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S
1. कपिलेश्वर कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
2. धीरज कुमार	P	P	P	P	P	P		P	.	P	P	.	P		P	.	P	P	P	P
3. धनलक्ष्मी कुमारी	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
4. हेमन्त पासवान	P	P	P	P	.	P		P	.	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
5. धीरेन्द्र कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	.	P	P	P	P
6. राकेश कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
7. युवराज कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	.	P	P	P		P	.	P	P	P	P
8. निरंजन कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
9. सीताराम गौरी	P	P	P	P	P	.		P	P	P	P	P	P		P	P	P	.	P	P
10. प्रशुराम कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	.	P	P		P	P	P	P	P	P
11. दीगविजय कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	.	P	P	P		P	P	P	P	P	P
12. ललन कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
13. जवाहर कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
14. अरविन्द कु०	P	.	P	.	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
15. पुनीत कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
16. सुरेन्द्र कुमार	P	P	P	.	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
17. नागेन्द्र कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
18. रामचन्द्र कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	.	P	P		P	.	P	P	P	P
19. प्रमोद कुमार	.	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	.	P	P	P
20. जटाधि कुमार	P	P	P	.	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
21. मोहित कुमार	P	P	P	P	.	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
22. अनमोल कुमार	P	P	P	P	P	P		.	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	.
23. पंकज कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	.	P		P	P	P	P	.	P
24. रोशनी कुमारी	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
25. किरण कुमारी	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
26. अनुराग कुमार	P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P
27. विपिन कुमार	P	.	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P	.	P	P	P	P
28.																				

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Name of the School S.V.N. HIGH SCHOOL GOHANA

Class : VII

TIME-TABLE

DAY	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
MON	सा० विज्ञान	हिन्दी I	गणित I	जीव विज्ञान I	अंग्रेजी I	संस्कृत	रसा० विज्ञान I	कला
TUE	सा० विज्ञान	हिन्दी I	गणित I	जीव विज्ञान I	अंग्रेजी I	संस्कृत	रसा० विज्ञान I	कला
WED	सा० विज्ञान	हिन्दी I	गणित I	जीव विज्ञान I	अंग्रेजी I	संस्कृत	रसायन विज्ञान I	कला
THU	सा० विज्ञान	हिन्दी II	गणित II	जीव विज्ञान II	अंग्रेजी II	संस्कृत	रसायन विज्ञान II	कला
FRI	सा० विज्ञान	हिन्दी II	गणित II	जीव विज्ञान II	अंग्रेजी II	संस्कृत	रसायन विज्ञान II	कला
SAT	सा० विज्ञान	हिन्दी II	गणित II	जीव विज्ञान II	अंग्रेजी II	संस्कृत	रसायन विज्ञान II	कला

UNITED SECULAR SOCIETY

Signature

Scanned by CamScanner

Name of the School S.V.N. HIGH SCHOOL GOHANA

Class : VIII

TIME-TABLE

DAY	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
MON	सा० विज्ञान	हिन्दी I	गणित I	जीव विज्ञान I	अंग्रेजी I	संस्कृत	रसायन विज्ञान	कला
TUE	सा० विज्ञान	हिन्दी I	गणित I	जीव विज्ञान I	अंग्रेजी I	संस्कृत	रसायन विज्ञान	कला
WED	सा० विज्ञान	हिन्दी I	गणित I	जीव विज्ञान I	अंग्रेजी I	संस्कृत	रसायन विज्ञान	कला
THU	सा० विज्ञान	हिन्दी II	गणित II	जीव विज्ञान II	अंग्रेजी II	संस्कृत	रसायन विज्ञान	कला
FRI	सा० विज्ञान	हिन्दी II	गणित II	जीव विज्ञान II	अंग्रेजी II	संस्कृत	रसायन विज्ञान	कला
SAT	सा० विज्ञान	हिन्दी II	गणित II	जीव विज्ञान II	अंग्रेजी II	संस्कृत	रसायन विज्ञान	कला

Signatu

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

INDEX

Sr. No.	Date	Lesson No.	Topic	Pages	Sign. of the Supervisor
			1. Micro Teaching Lesson		
1.	11-09-017	01	हिन्दी के मानव रूप	1-2	
2.	12-09-017	02	लिंग	3-4	
3.	13-09-017	03	शब्द रचना	5-6	
4.	14-09-017	04	शब्द के भेद	7-9	
5.	15-09-017	05	बहुव्रीहि समास	11-12	
6.			2. Mega lessons		
7.	25-09-017	01	संज्ञा के भेद	15-20	
8.	26-09-017	02	वर्ण अवस्था	21-26	
9.	27-09-017	03	कारक के भेद	27-32	
10	28-09-017	04	सर्वनाम	33-37	
11.	29-09-017	05	वाक्य के प्रकार	39-44	
12			3. DISCUSSION LESSON -1		
13.	02-11-017	01	अलंकार	45-52	
14.			4. SCHOOL TEACHING		
15.			PRACTICE LESSON		
16.	06-11-017	01	विशेषण	53-58	
17.	13-11-017	02	संधि व्यवस्था	59-64	
18.	20-11-017	03	अव्यय	65-70	
19.	27-11-017	04	क्रिया होली निबन्ध	71-76	
20.	04-12-017	05	क्रिया	77-82	
21.	11-12-017	06	समास के भेद	83-88	
22.	18-12-017	07	पर्यावरण प्रदूषण (निबन्ध)	89-94	
23.	25-12-017	08	'वन के मार्ग' कविता	95-100	
24.	08-01-018	09	'रेलवे स्टेशन का दृश्य'	101-106	
25.	22-01-018	10	विराम चिन्ह	107-112	
26.	29-01-018	11	लोमड़ी और कौवा (कहानी)	113-118	Raj

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

INDEX

Sr. No.	Date	Lesson No.	Topic	Pages	Sign. of the Supervisor
27.	12·02·018	12.	~~शिष्टाचार~~ हमारा राष्ट्रीय प्रतीक	119-124	
28.	19·02·018	13.	शिष्टाचार	125-130	
29.	26·02·018	14.	वर्षा ऋतु	131-136	
30.	28·02·018	15	संज्ञा के भेद	137-142	
31.			DISCUSSION LESSON – II		
32.	05·03·018	01	काल के भेद	143-150	
33.		~~01~~	OBSERVATION LESSONS		
34		01	लोमड़ी और कौवा	151	
35.		02	संज्ञा	151	
36.		03	जनसंख्या	152	
37		04	दृष्टि बिन्दु	152	
38.		05	वर्गमूल	153	
39.		06	संस्कृत	153	
40.		07	पर्यावरण एवं प्रदूषण	154	
41.		08	समास	154	
42.		09	आदिमानव	155	
43.		10	जीव जन्तु	155	
44.		11	आदीमानव का जीवन	156	
45.		12	पर्यावरण समस्या	156	
46.			SCHOOL REPORT	157-158	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

MICRO TEACHING LESSONS

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 01

Date 11/09/2017 | Duration of the period 6 – 8 मिनट

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar | Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VII | Average Age of the pupils 11 years

Subject हिन्दी | Topic हिन्दी भाषा का मानक रूप

Pupil Teacher's Activities	Pupil's Activities
छात्रों ! आज हम हिन्दी व्याकरण से संबंधित कुछ तत्वों पर विचार विमर्श करेंगे।	जी ! सर !
→ भाषा किसे कहते हैं ? →	भाषा मुख्य मानव के मुख से निकली वह सार्थक ध्वनियाँ हैं जो दूसरों तक अपनी बात पहुँचाने का काम करता है।
→ हमारी राष्ट्रीय भाषा कौन-सी है?	→ हमारी राष्ट्रीय भाषा हिन्दी है।
→ हमारी राष्ट्रीय भाषा की लिपि कौन-सी है?	→ सर ! देवनागरी लिपि।
→ छात्रों ! अब बताओ की व्याकरण किसे कहते हैं	→ व्याकरण वह शास्त्र है जिसके हम अपने विचार या भावों को बोलकर या लिखकर दूसरों के सामने प्रकट करते हैं और दूसरों के विचार स्वयं ग्रहण करते हैं।
→ व्याकरण के कितने भेद हैं ? →	जी सर ! चार भेद हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Pupil Teacher's Activities	Pupil's Activities
→ हरियाणा की बोली कौन-सी है?	→ हरियाणा की बोली "हरियाणवी" है।
→ हिन्दी के मानक रूप के बारे में बतइए	→ समस्यात्मक प्रश्न सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ है।

उपविषय की घोषणा :→

छात्रों ! आज हम हिन्दी के मानक रूप के बारे में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

observation schedule for

Serial No.	components	Rating						
		0	1	2	3	4	5	6
1.	पूर्व ज्ञान का प्रयोग, उचित प्रतिनिधित्यों का प्रयोग।	0	1	2	3	4	5	6
2.	निरन्तर को बनाए रखना	0	1	2	3	4	5	6
4.	शाब्दिक व अशाब्दिक शब्दों को प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
5.	व्यवहार का संबंधित टिप्पणी	0	1	2	3	4	5	6
		0	1	2	3	4	5	6
		0	1	2	3	4	5	6
		0	1	2	3	4	5	6
		0	1	2	3	4	5	6
		0	1	2	3	4	5	6

Seema

UNITEDSECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 02

Date 12/09/017 | Duration of the period 6-8 मिनट

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar | Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class सातवीं | Average Age of the pupils 12 and 13 years

Subject हिन्दी | Topic लिंग

Pupil Teacher's Activities	Pupils Activities
बच्चों! आज हम लिंग के बारे में पढ़ाएंगे।	
→ लिंग किसे कहते हैं?	→ किसी स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराने वाले को लिंग कहते हैं।
→ लिंग के कितने भेद हैं?	→ लिंग के दो भेद हैं 1. ~~पुरुषजाति~~ पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग
→ पुल्लिंग किसे कहते हैं?	→ किसी पुरुष जाति को बोध कराने वाले को पुल्लिंग कहते हैं
→ स्त्रीलिंग क्या होता है, अर्थात किसे कहते हैं? →	→ किसी भी स्त्री जाति को बोध कराने वाले को स्त्रीलिंग कहते हैं
→ लिंग शब्द का क्या अर्थ है?	→ लिंग शब्द का अर्थ पहचान कराना होता है।
→ लड़की खेलती है; रेखांकित में कौन-सा रूप है।	→ जी मा'म स्त्रीलिंग है।
→ लड़का खेलती है रेखांकित में कौन-सा लिंग है	→ जी सर पुल्लिंग है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

→	रत्नों ,गृह वाट, मशीन पर्वत इत्यादि में कौन-सा लिंग है?	समस्यात्मक प्रश्न सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ है।

observation schedule For

Serial No.	components		Rating					
1	अनुबोधन	0	1	2	3	4	5.	6
		0	1	2	3	4	5	6
2	आशीक सूचना प्राप्ति	0	1	2	3	4	5	6
3.	पुन: निर्देशन	0	1	2	3	4	5	6
4.	आलोचनात्मक जागरूकता बढ़ाना	0	1	2	3	4	5	6
5.	प्रश्नों में स्पष्टता होना	0	1	2	3	4	5	6
6.	संक्षिप्त होना	0	1	2	3	4	5	6

Seema

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

5

LESSON No. 03

Date 13/09/017

Duration of the period 6-8 मिनट

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VII

Average Age of the pupils 12 year's

Subject हिन्दी

Topic शब्द रचना

Pupil Teacher's Activities	Pupil's Activities
⇒ छात्रों ! आज हम शब्द रचना के बारे में सीखेंगे ।	
अध्यापक चॉक से बोर्ड पर लिखता है:- <u>प्रहार</u> = प्र + हार, <u>अपमान</u> = अप + मान	प्र, अप में जो रेखांकित शब्द है; उन्हें उपसर्ग कहते हैं।
रेखांकित शब्दों को क्या कहते हैं?	
⇒ जो शब्द क्रिया के आरम्भ से जुड़कर अर्थ को बदल देता है; उसे उपसर्ग कहते हैं।	सभी छात्रों ने कॉपियों में लिखना शुरू किया
⇒ <u>उदाहरण</u> :- प्रहार, अपमान, आना, प्रतिवाद, सुपुत्र, कुपुत्र इत्यादि । बच्चों ! अब तुम उपसर्ग के इनसे अलग कुछ और उदाहरण बताओ ।	सुमार्ग, कुमार्ग, जाना आदि ।
⇒ <u>प्रत्यय का अर्थ है</u> :- जो शब्द क्रिया के अन्त में जुड़कर अर्थ को बदल देते हैं; उन्हें प्रत्यय कहते हैं।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

उदाहरण :→ पढ़ाई = पढ़ + आई , चाँदनी = चाँद + नी रेखांकित शब्द प्रत्यय है।	सभी छात्रों ने ध्यानपूर्वक सुना व समझा ।
बच्चों ! अब तुम भी प्रत्यय के उदाहरण बताओं "शक्तिमान" शब्द में कौन-सा प्रत्यय है	जी [redacted] सर बुढ़ापा शक्ति, प्रतिवाद, में प्रत्यय है
	जी [redacted] सर शक्ति + मान मान प्रत्यय है

Observation schedule FOR

Serial No.	components	Rating						
1.	उदाहरण में सार्थकता	0	1	2	3	4	5	6
2.	उदाहरण में सरलता	0	1	2	3	4	5	6
3.	उपागम का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
4.	सरल व रोचक शब्दों	0	1	2	3	4	5	6
5.	का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
6.	उपयुक्तता	0	1	2	3	4	5	6
7.	उपागम का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6

Seema

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 04

Date 17/09/017 | Duration of the period 7-8 मिनट

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar | Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VIII | Average Age of the pupils 12 years

Subject हिन्दी | Topic शब्द के भेद

Pupil Teacher's Activities	Pupil's Activities
शब्दों के भेद :- शब्दों के वर्णों के मेल से बनते हैं, वर्णों वर्णों से बने सार्थक समूह को शब्द कहते हैं जैसे :- क + म + ल अर्थ की दृष्टि से शब्द के दो भेद हैं (1.) सार्थक (2) निरर्थक	सभी छात्रों ने ध्यानपूर्वक सुना तथा अपनी कॉपियों में लिखा।
सार्थक :— जिस शब्द का कोई अर्थ निकलता है :— जैसे :- कमल = क + म + ल ।	
निरर्थक :— जिस शब्द का कोई अर्थ न निकले चाय पानी, वानी । इसमें वानी का कोई अर्थ नहीं निकलता उद्गम (उत्पत्ति) की दृष्टि से शब्द के चार भेद हैं :— संस्कृत भाषा की हिन्दी में ज्यों का त्यों लिए शब्द जैसे — अग्नि, वर्ण ।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक श्यामपट्ट की ओर देख रहे थे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Pupil Teacher's Activities	Pupil's Activities
⇒ ऐसे शब्द जो संस्कृत भाषा से हिन्दी में लिए गए अपना रूप बदलकर हिन्दी में लिए गए। जैसे - क्षेत्र से खेत दन्त से दाँत।	
⇒ अपने देश के भाषाओं के लिए गए शब्द। गुड़िया, गाड़ी आदि	छात्र देशज और विदेशज शब्दों में अन्तर को समझ रहे हो
⇒ जो शब्द विदेशी भाषाओं से लिए गए हैं जैसे - रेल, डॉक्टर, हुकूमत आदि	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

OBSERVACTION SCHEDULE FAR

Serial N.	Components	Rating						
1.	संचालन करना	0	1	2	3	4	5	6
2.	आव - भाव परिवर्तन	0	1	2	3	4	5	6
3.	वाणी - परिवर्तन	0	1	2	3	4	5	6
4.	केन्द्र - बिन्दु	0	1	2	3	4	5	6
5.	अन्तः क्रिया शैली	0	1	2	3	4	5	6
6.	परिवर्तन	0	1	2	3	4	5	6
7.	मौखिक द्रव्य परिवर्तन	0	1	2	3	4	5	6

Seema

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 05

Date 15/09/017 | Duration of the period 7-8 मिनट

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar | Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VIII | Average Age of the pupils 13 years

Subject Hindi | Topic बहुव्रीहि समास

Pupil Teacher's Activities	Pupil's Activities
⇒ छात्र अध्यापक सरल उदाहरण द्वारा नियम प्रतिपादित करता है :-	
दशानन :- दश हैं आनन जिसके (रावण) कनफटा :- फटा है कान जिसका (साधु) छात्र अध्यापक बच्चों को बताती हैं कि ये उदाहरण बहुव्रीहि समास के हैं।	सभी छात्रों ने ध्यान से समझा और कुछ छात्रों ने दोबारा से पूछा।
चॉक-बोर्ड का प्रयोग करते हुए :-	
बहुव्रीहि समास :- जिसमें न तो पूर्व पद प्रधान हो और न ही उत्तर पद प्रधान हो उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।	सभी छात्रों ने कॉपीयों पर लिखा।
नीलकण्ठ :- नीला है कण्ठ जिसका (शिवाजी)	सभी छात्रों ने कॉपीयों पर लिखा
चतुर्भुज :- चार हैं भुजाएँ जिसकी (विष्णु)	सभी ध्यान से सुना।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Pupil Teacher's Activities	Pupil's Activities
सुलोचना :- सुन्दर है लोचन जिसके (सुन्दर आँखों वाली)	
विग्रहात्मक प्रश्न :-	चार है पद्म जिसके = चार।

Serial No.	Components	Rating						
		0	1	2	3	4	5	6
1	उदाहरणों की सार्थकता	0		2	3	4	5	6
2	सरलता	0		2	3	4	5	6
3	उपयुक्तता	0		2	3	4	5	6
4	रोचकता	0		2	3	4	5	6
5	उपागम प्रयोग	0		2	3	4	5	6
6	आगमन से निगमन	0		2	3	4	5	6
7	निगमन से आगमन	0		2	3	4	5	6

Seema

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

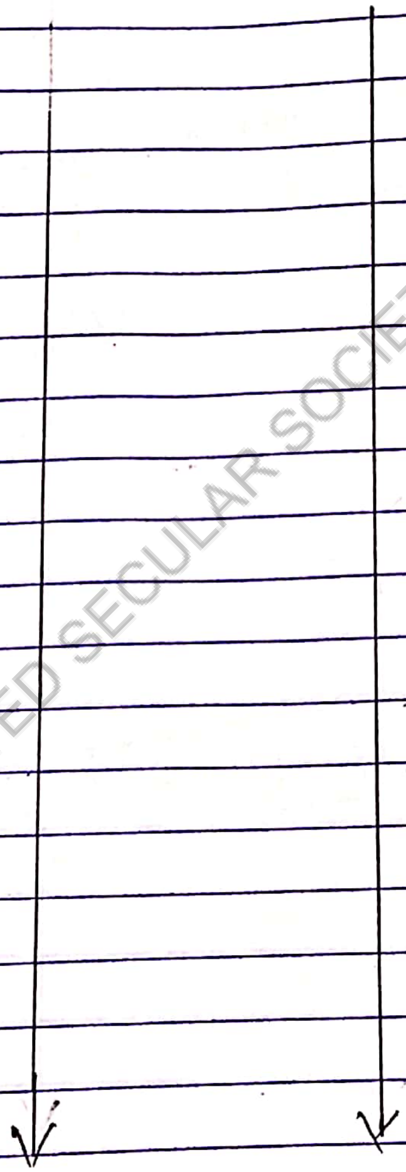

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

MEGA TEACHING LESSON

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 01

Date 25/09/017 | Duration of the period 40 मिनट

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar | Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VII | Average Age of the pupils 13 & 14

Subject Hindi | Topic संज्ञा के भेद

आवश्यक सामग्री :— श्याम पट्ट, चॉक डस्टर, संकेतक आदि।

सामान्य उद्देश्य :— 1. छात्रों को हिन्दी विषय में रुचि पैदा करना।

2. छात्रों का मानसिक तथा बौद्धिक विकास करना।

3. छात्रों में शब्द के प्रति उत्सुकता की भावना उत्पन्न करना।

4. छात्रों को हिन्दी व्याकरण के शुद्धि एवं अशुद्धि के बारे में चर्चा करना।

विशिष्ट उद्देश्य :— 1. छात्रों को संज्ञा उपनिषद के बारे में बताना।

2. छात्रों को संज्ञा के भेदों के बारे में अवगत कराना।

3. छात्रों के हिन्दी लेखन में सुधार करना।

विषय परीक्षण :—

अध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएं
1. किसी भी छात्र से, आपका क्या नाम है ?	जी सर। मेरा नाम रोहन है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

2.	भारत की राजधानी का क्या नाम है?	भारत की राजधानी का नाम नई दिल्ली है।
3.	आप संस्कृत के कार्य किस वस्तु से करते हैं?	जी सर! मैं पेन से लिखता हूँ।
4.	संज्ञा किसे कहते हैं?	वे शब्द जो किसी स्थान, व्यक्ति, प्राणी आदि के नाम के रूप प्रयुक्त हो, उसे संज्ञा कहते हैं। समस्यात्मक प्रश्न सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ थे।

UNITED SECULAR SOCIETY

उद्देश्य की घोषणा :— छात्रों! आज हम संज्ञा और उसके भेदों के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

	विषय-वस्तु	छात्र-अध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
⇒	संज्ञा की परिभाषा	संज्ञा वे शब्द हैं, जो किसी व्यक्ति, प्राणी, स्थान आदि के नाम के रूप में प्रयुक्त होते हैं, उन्हें संज्ञा कहते हैं।	सभी छात्र अध्यापक से सुनो।	① व्यक्तिवाचक संज्ञा ② जातिवाचक संज्ञा ③ द्रव्यवाचक संज्ञा ④ समूहवाचक संज्ञा ⑤ भाववाचक संज्ञा

Scanned by CamScanner

	,,	,,	,,	
3)	संज्ञा के उदाहरण हैं:-	रमेश कल दिल्ली जाएगा। इस दीवार की ऊँचाई क्या है? इस वाक्य में रमेश किसी व्याक्ती के नाम है। दीवार किसी भाव को प्रकट करती है। ये शब्द संज्ञा हैं	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना तथा अपनी कॉपीयों में लिखना शुरू किया –	संज्ञा के तीन भेद हैं :- (1) व्याक्ती वाचक संज्ञा 2) जाति वा॰ संज्ञा 3) भाव वा॰ संज्ञा । (4) द्रव्यवाचक (5) समूहवाचक
⇒	संज्ञा के भेद –	संज्ञा के तीन भेद हैं – व्याक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, भाव वाचक संज्ञा, द्रव्यवाचक संज्ञा, समूहवाचक संज्ञा।		
⇒	प्रश्न	संज्ञा के कितने भेद हैं?	जी सर पाँच भेद	
⇒	व्याक्तिवाचक संज्ञा का अर्थ :—	जो संज्ञा विशेष व्याक्ती, प्राणी, स्थान और वस्तु का बोध कराये उसे व्याक्ती वाचक संज्ञा कहते हैं		
	उदाहरण : –	~~उमेश, हिरण, शेर, हिमालया, ताजमहल, गंगा आदि।~~		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

विषय वस्तु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएं	श्याम पट्ट
⇒ व्यक्तिवाचक प्रश्न	संज्ञा के भेदों के नाम बताइए	व्यक्तिवाचक जातिवाचक भाववाचक	
⇒ व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण	रमेश एक होशियार व्यक्ति है। हिमालय एक पर्वत है। इन वाक्य में 'रमेश' और 'हिमालय' व्यक्ति वाचक संज्ञा है		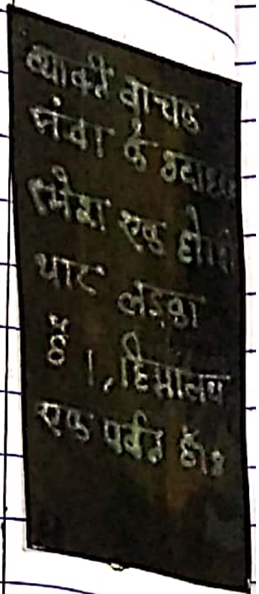
⇒ जातिवाचक संज्ञा की परिभाषा	जिस संज्ञा से किसी जाति वर्ग या समूह का बोध होता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं, जैसे — शेर, आम, नदी, पहाड़, मानव, पक्षी, जानवर आदि।	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना तथा अपने कॉपियों में लिखना शुरू किया।	
उदाहरण :-	मानव पृथ्वी के श्रेष्ठ प्राणी है इसमें मानव जाति वाचक है		
भाववाचक	जो संज्ञा किसी गुण, भाव, स्थिति या अवस्था का बोध कराती है वह भाववाचक संज्ञा होती है जैसे — सच्चाई, प्रेम, बचपन, प्यास आदि।	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना व समझा।	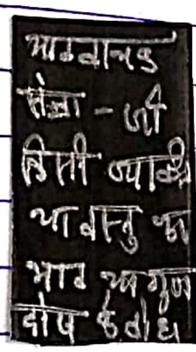

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	"	"	"
भाववाचक संज्ञा का उदाहरण	भाववाचक का उदाहरण निम्नलिखित है :- संज्ञा सदा सत्य बोला, मोहन ईमानदार लड़का है		समूहवाचक संज्ञा - जिससे समूह का बोध हो उसे समूहवाचक कहते हैं। →
विकासात्मक प्रश्न	भाववाचक और जातिवाचक में क्या अन्तर है।	जातिवाचक संज्ञा में जाति या समूह का बोध होता है, जबकि भाववाचक संज्ञा में स्वाभिमान आदि का बोध होता है.	भाववाचक संज्ञा के उदाहरण (1) सदा सत्य बोलो (2) राम और श्याम पक्के मित्र हैं।
विकासात्मक प्रश्न	व्यक्तिवाचक तथा भाववाचक संज्ञा के उदाहरण दीजिए।	हिमालय एक पर्वत है भाववाचक सदा सत्य बोलो	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

मुख्य पुनरावृत्ति प्रश्न

1. संज्ञा किसे कहते हैं?
2. संज्ञा के कितने भेद हैं? उनके नाम बताइए।
3. व्यक्ति वाचक संज्ञा का अर्थ बताइए।
4. भाववाचक संज्ञा का अर्थ बताएं।
5. जातिवाचक संज्ञा का अर्थ बताएं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 02

Date 26/09/017 | Duration of the period 40 mins
Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar | Pupil Teacher's Roll No. 2009
Class VIII | Average Age of the pupils 12 & 14
Subject हिन्दी | Topic वर्ण अनुच्छेद

सहायक सामग्री :-

चॉक, संकेतक, श्यामपट्ट, पुस्तक, झाड़न इत्यादि।

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों में हिन्दी विषय के प्रति रूचि बढ़ाना।
2. छात्रों का मानसिक ज्ञान बढ़ाना।
3. छात्रों में पढ़ाई के साथ-साथ सामान्य ज्ञान की बातें पढ़ाना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

बच्चों को वर्ण व्याख्या उपविषय के बारे में बताना। बच्चों को व्याकरण के बारे में विस्तृत जानकारी देना। छात्रों को हिन्दी तथा हिन्दी भाषा के बारे में बताना।

पूर्वज्ञान परीक्षण :-

	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ
1.	व्याकरण किसे कहते हैं।	व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा शुद्ध, अशुद्ध का पता चले।
2.	वर्णमाला किसे कहते हैं।	वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।
3.	वर्ण के उदाहरण या इसमें कितने स्वर व व्यंजन होते हैं?	इसमें 11 स्वर और 33 व्यंजन होते हैं, उदाहरण – अ, इ, उ, क, च आदि।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

(4)	हिन्दी वर्णमाला में कितने वर्ण होते हैं?	हिन्दी वर्णमाला में 44 वर्ण होते हैं।
(5)	छात्रों! अब बताओं की वर्ण किसे कहते हैं?	सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ हैं।

उपविषय की घोषणा :— छात्रों! आज हम वर्ण व्यवस्था के बारे में विचार विमर्श करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

विषय वस्तु	छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट
वर्ण किसे कहते हैं?	भाषा की वह छोटी से छोटी ध्वनी, जिसके टुकड़े न हो सके, उसे वर्ण कहते हैं।	सभी छात्र ने सुना और समझा	वर्ण – भाषा की वह छोटी से-छोटी ध्वनी जिसे खण्डित नहीं किया जा सके।
वर्ण के →	अ, इ, उ, ऋ		
उदाहरण :—	क, च, ट आदि		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

प्रश्न			
उच्चारण किसे कहते हैं?	जब ध्वनि कंठ से लेकर होठों तक उच्चारण बिना किसी रुकावट या अवरुद्ध के बाहर आ जाए तो, उसे उच्चारण कहते हैं।	छात्र उदाहरण सहित समझकर लिख रहे हैं।	
वर्णमाला किसे कहते हैं?	वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।		
विकासात्मक प्रश्न	वर्ण के उदाहरण दीजिए।	स्वर के उदाहरण हैं:- अ, इ, उ, क, च, इत्यादि।	
लिपि किसे कहते हैं?	लिखने की प्रणाली को अर्थात् लिखने की क्रिया को लिपि कहते हैं।	स्वर के उदाहरण हैं अ, इ, उ,	
वर्णमाला और लिपि में अन्तर स्पष्ट कीजिए	वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं लिखने की प्रणाली को लिपि कहते हैं	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना।	

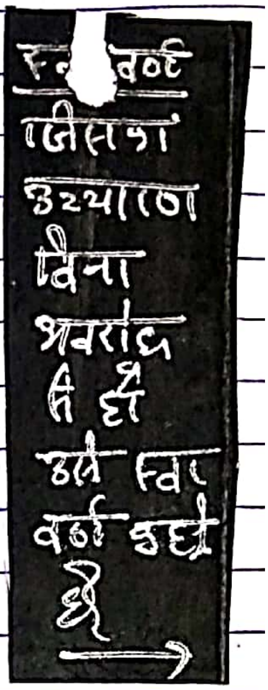

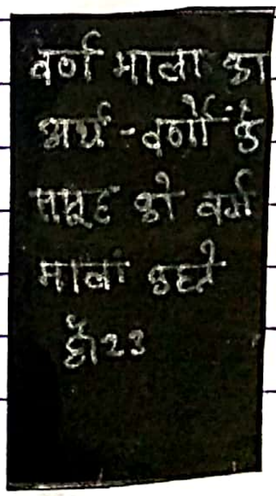

Scanned by CamScanner

विषय वस्तु	छात्र अध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ	श्याम पट्ट
वर्ण के कितने भेद होते हैं	वर्ण के दो भेद होते हैं :— स्वर वर्ण, व्यंजन वर्ण		कुल वर्णों की सं.-44 हैं स्वरों की संख्या 11 तथा व्यंजन वर्णों का संख्या 33 होती है ←
स्वर किसे कहते हैं?	वह वर्ण जो किसी वर्णों के सहायता से बोले जाते हैं, उन्हें स्वर कहते हैं।	सभी छात्रों ने एक साथ लिखना शुरू किया।	
विकासात्मक प्रश्न	वर्ण के कितने भेद होते हैं?	वर्ण दो भेद होता हैं	
स्वरों के कितने भेद हैं, उनके नाम बताओ	स्वरों के तीन भेद हैं :— (1) ह्रस्व स्वर (2) दीर्घ स्वर (3) प्लुत स्वर		
ह्रस्व स्वरों की परिभाषा दीजिए।	जिस स्वर में सबसे कम समय लगे उसे ह्रस्व स्वर कहते हैं, उदाहरण - अ, इ, ए, उ।	सभी ने लिखा व समझा	
दीर्घ स्वर की परिभाषा	जिन स्वरों में ह्रस्व स्वर से दुगुना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं		स्वर किसे कहते हैं - जो वर्ण के बिना वर्णों की सहायता से बोले जाते हैं उन्हें स्वर कहते हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
	है, उदाहरण आ, ई, ऊ, ऐ।		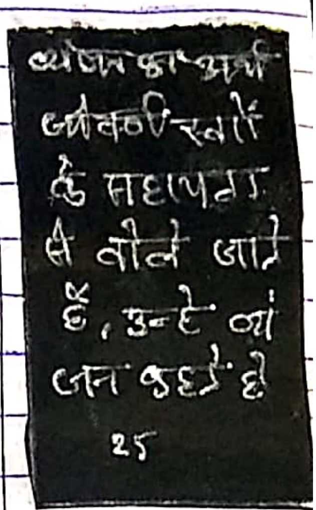
प्लुत स्वर परिभाषा व उदाहरण	जिन स्वरों में ह्रस्व स्वर से कतीगुना और दीर्घ स्वर से दुगुना स्वर लगे, उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं, जैसे- ओउम।		
विकासात्मक प्रश्न।	स्वर के कितने भेद हैं?	तीन हैं।	
व्यंजन वर्ण की परिभाषा	जो वर्ण स्वरों के सहायता से बोले जाए, उसे व्यंजन वर्ण कहते हैं।		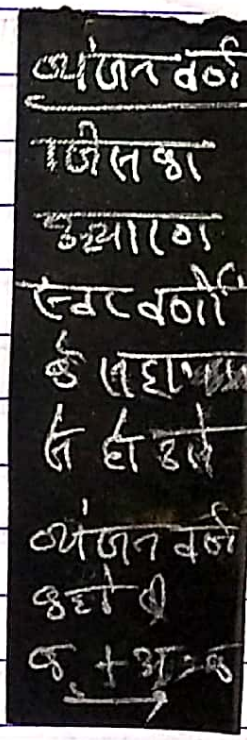
	व्यंजन के उदाहरण निम्नलिखित हैं:- क = क + अ, + च = च + अ आदि।		
विकासात्मक प्रश्न	जो वर्ण स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं।		
	व्यंजन किसे कहते हैं?	जो वर्ण स्वरों की सहायता से बोले जाते है	

—: पुनरावृत्ति प्रश्न :—

1. वर्ण किसे कहते हैं?

2. उच्चारण किसे कहते हैं?

3. वर्णमाला की परिभाषा दीजिए।

4. लिपि किसे कहते हैं?

5. स्वर किसे कहते हैं? स्वर के भेदों के नाम बताइए।

6. व्यंजन की परिभाषा दीजिए।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 03

Date 27/01/017 | Duration of the period 40 mins
Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar | Pupil Teacher's Roll No. 2003
Class VIII | Average Age of the pupils 12 से 15 वर्ष
Subject हिन्दी | Topic कारक

सहायक सामग्री :— चॉक, संकेतन, डाउन, श्यामपट्ट आदि।

सामान्य उद्देश्य :— (1) बच्चों का मानसिक एवं बौद्धिक विकास बढ़ाना।

(2) छात्रों को हिन्दी विषय में रुचि पैदा करना।

(3) छात्रों में तर्क शक्ति को बढ़ाना।

(4) छात्रों को हिन्दी व्याकरण की शुद्धि एवं अशुद्धि की जानकारी देना।

विशिष्ट उद्देश्य :— (1) छात्रों को कारक के बारे में विस्तृत जानकारी देना।

(2) छात्रों को कारकों के भेद के बारे में बताना।

(3)

पूर्वज्ञान परीक्षण :—

विषयवस्तु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट्ट
कर्ता कारक में कौन-सी चिन्ह है।	कर्ता कारक में कौन से चिन्ह है	जी सर ने	कारक के भेद कारक के आठ भेद होते हैं

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

फल को चाकू से०	फल को चाकू से काटो में कौन-सा कारक है?	करण कारक	श्यामपट्ट
	"राम और श्याम दो भाई हैं" यह क्या है अर्थात् कौन-सा कारक है?	सम्बन्ध कारक	
उपविषय की उप घोषणा →	छात्रों! आप हम 'कारक' से संबंधित उपविषय पर विचार-विमर्श करेंगे।		राम और श्याम दो भाई हैं।" यह क्या है अर्थात् कौन सा कारक है।
प्रस्तुतीकरण →			
	छात्रों! अब बताओ कि श्यामपट्ट के बोर्ड में छड़ी है, मे कौन-कौन से कारक हो	समस्यात्मक प्रश्न।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
कारक किसे कहते है?	वाक्य में प्रस्तुत संज्ञा, सर्वनाम का परस्पर और क्रिया के साथ सम्बन्ध बताने वालों को कारक कहते हैं		
कारक का उदाहरण	'राम ने सीता के लिए रावण को मारा।'	सभी छात्र ने ध्यान से सुना और समझा, कुई छात्रों ने इसे दोबारा भी पूछा और बाद में लिखा।	कारक के आठ भेद है :- ① कर्ता ② कर्म ③ करण ④ सम्प्रदान ⑤ आपादान ⑥ आधिकरण ⑦ संबंध ⑧ सम्बोधन ⑨ इत्यादि 2
कारक के कितने भेद हैं, उनके नाम बताइए	कारक के आठ भेद हैं इनके नाम इस प्रकार हैं- (1) कर्ता — ने (2) कर्म — को (3) करण — से (4) सम्प्रदान — के लिए (5) आपादान — से, जुदाई (6) सम्बन्ध — का, की, के (7) आधीकरण — में, पर (8) सम्बोधन — हे, ओ		
कर्ता कारक की परिभाषा	संज्ञा या सर्वनाम 'के लिए' रूप से क्रिया के करने वाले का बोध होता है, उसे कर्ता कारक कहते हैं।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

	विषय वस्तु	छात्र अध्यापक क्रिया	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	कर्मकारक की परिभाषा	संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप पर क्रिया के व्यापक फल पड़ता है; उसे कर्म कारक कहते है।		
विकासात्मक प्रश्न	~~कारक के कितने भेद है~~।			
	विकासात्मक प्रश्न	कारक के कितने भेद है।	श्रीमान। आठ भेद है।	सम्प्रदान कारक संज्ञा या सर्वनाम के लिए क्रिया जाए उसे उसे सम्प्रदान कारक कहते है 30
	करण कारक की परिभाषा	संज्ञा सर्वनाम से जिस रूप से कर्ता के काम करने के साधन का बोध हो उसे करण कारक कहते है।	सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं और अपना कॉपियों में रचना शुरू किया।	
	करण कारक का उदाहरण	राम ने बाण से रावण को मारा		
	सम्प्रदान कारक की परिभाषा	संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप के लिए क्रिया की जाए उसे सम्प्रदान कारक कहते।		कारक = कारक उसे कहते है, जो वाक्य में आए संज्ञा या सर्वनाम का सम्बन्ध क्रिया के साथ कराता है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	" "	
विकासात्मक प्रश्न	सम्प्रदान कारक का उदाहरण दीजिए	राम, श्याम के लिए धूप		
अपादान कारक का अर्थ	संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप पृथकता अथवा भिन्नता का बोध होता है। उसे अपादान कारक कहते हैं।			
सम्बन्ध कारक का अर्थ बताइए	संज्ञा या सर्वनाम का जो रूप एक वस्तु का दूसरी वस्तु के साथ सम्बन्ध प्रकट करें उसे सम्बन्ध कारक कहते हैं।	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना एवं अपनी कॉपियों में लिखना शुरू किया		संज्ञा या सर्वनाम का जो रूप एक वस्तु का दूसरी वस्तु के साथ सम्बन्ध प्रकट करें उसे सम्बन्ध कारक कहते हैं
अधिकरण कारक का अर्थ बताइए	संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के आधार का बोध हो, उसे अधिकरण कारक कहते हैं।			
सम्बोधन कारक का अर्थ	संज्ञा का जो रूप चेतावनी या किसी को पुकारने का सूचक हो, उसे सर्वनाम कहते हैं।			
उदाहरण	हे ईश्वर ! हमारी रक्षा करो।			

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
विकासात्मक प्रश्न	करण कारक व सम्बन्ध कारक की विभक्ति में अन्तर स्पष्ट कीजिए।	करण से सम्बन्ध का, के, की विभक्ति	

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

1. कारक का अर्थ बताइए।
2. कारक के भेद एवं उसके विभक्ति के नाम लिखिए।
3. करण कारक की परिभाषा व उदाहरण दीजिए।
4. सम्बोधन कारक की विभक्ति बताएं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 04

Date 28/09/017 — Duration of the period 40 मिनट

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar — Pupil Teacher's Roll No. 2003.

Class VII — Average Age of the pupils 12 से 13 years

Subject Hindi — Topic सर्वनाम

सहायक सामग्री :- चॉक, झाड़न, श्याम पट्ट, संकेतन आदि।

सामान्य उद्देश्य :- छात्रों के मानसिक व बौद्धिक विकास करना।

छात्रों में तर्कशक्ति को बढ़ाना।

छात्रों की विषय के प्रति रूचि पैदा करना।

छात्रों का हिन्दी लेखन में सुधार।

विशिष्ट उद्देश्य :- छात्रों को 'सर्वनाम' के बारे में बताना। छात्रों को हिन्दी व्याकरण की शुद्ध एवं अशुद्धि का ज्ञान कराना।

UNITED SECULAR SOCIETY

पूर्वज्ञान परीक्षण :-

छात्रों ! तुम कौन-से विद्यालय में पढ़ते हो ?	जी सर ! राजकीय माध्यमिक विद्यालय ..., ब्राह्मनवास
तुम किस गाँव में रहते हो ?	
सर्वनाम की परिभाषा	वाक्यों में संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले विकारी शब्दों को सर्वनाम कहते हो।
छात्र ! "मैं" एक अध्यापक से सम्बन्ध और हम सभी छात्रों से सम्बन्ध रखते हैं बताओं कि "मैं" और हम क्या सम्बन्ध है ?	समस्यात्मक प्रश्न सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ हो

Scanned by CamScanner

उपविषय की घोषणा :- छात्रों आज हम 'सर्वनाम' उपविषय पर विचार-विमर्श करेंगे और इसको समझेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

विषय वस्तु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
सर्वनाम की परिभाषा	वाक्यों में संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले विकार को सर्वनाम कहते हैं	छात्र ध्यान से सुन रहे हैं।	
सर्वनाम के उदाहरण	सोहन-मोहन के साथ उसके घर गया। इसमें 'उसके' सर्वनाम है	सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं और सभी छात्र अपनी कॉपियों में लिख रहे हैं।	सर्वनाम का अर्थ वाक्यों में संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले विकारी शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।
सर्वनाम के भेद हैं:-	सर्वनाम के छः भेद होता है		
पुरुषवाचक सर्वनाम का अर्थ	वह सर्वनाम जो किसी व्यक्ति के लिए प्रयुक्त होते हैं पुरुष वाचक कहलाता है।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	"	"	" "
उत्तम पुरुष सर्वनाम की परिभाषा	बोलने वाला या लिखने वाला अपने नाम के बदले, जिस सर्वनाम प्रयोग करता है, उसे उत्तम पुरुष सर्वनाम कहते हैं।		किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु के लिए प्रयुक्त होती है, उसे अनिश्चय सर्वनाम कहते है
विषय-वस्तु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएं	श्याम पट्ट
मध्यम पुरुष सर्वनाम की परिभाषा	जिससे बात की जाए या जिसे सम्बोधित किया जाए उसके नाम के बदले प्रयुक्त सर्वनाम को मध्यपुरुष कहते है जैसे – तुम, आप,		
अन्यपुरुष का अर्थ उदाहरण	जिसके बारे में बात करते है या लिखते हैं, उसके नाम के बदले प्रयुक्त सर्वनाम को अन्य पुरुष सर्वनाम कहते हैं। जैसे – यह, वे, वह, ये, वे सर्वनाम है जो किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की ओर संकेत करती हैं।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन एवं समझ रहे है। कुछ छात्र ने इसे द्वारा पूछा और सभी अपनी कॉपियों में लिखा	
अनिश्चय वाचक सर्वनाम का अर्थ	वे सर्वनाम जो किसी अनिश्चित व्यक्ती या वस्तु के लिए प्रयुक्त होते है उसे अनिश्चय वाचक सर्वनाम कहते है		अन्य पुरुष का अर्थ जिसके बारे में बात करते है उसके नाम के बदले में प्रयुक्त सर्वनाम को अन्य सर्वनाम कहते है। 35

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

विषय वस्तु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
प्रश्नवाचक सर्वनाम का अर्थ	वे सर्वनाम है, जिनका प्रयोग किसी व्यक्ति या वस्तु के सम्बन्ध में प्रश्न पूछने के लिए होता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते है	सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है	सर्वनाम के छः भेद है पुरुष वाचक सर्वनाम के तीन भेद होते है। 36
निजवाचक सर्वनाम का अर्थ	जो सर्वनाम कर्त्ता के साथ अपनापन बनाने के लिए आता है उसे निजवाचक सर्वनाम कहा जाता है। जैसे :- मैं खुद कर लूंगा।		
सम्बन्धवाचक सर्वनाम का अर्थ	वे सर्वनाम है जिनका प्रयोग साथ में और किसी अन्य उपवाक्य में प्रयुक्त संज्ञा या सर्वनाम से सम्बन्ध बनाने के लिए किया जाता है। जैसे :- जो-वह, जो-वे, जो-वह, जो-वे, जो-सो, आदि।		सर्वनाम संज्ञा के बाद आता है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
विश्लेषणात्मक प्रश्न	सर्वनाम के कितने भेद हैं?	छः भेद हैं	
	पुरुषवाचक सर्वनाम के कितने भेद हैं?	तीन भेद हैं	

वे सर्वनाम हैं जिनका प्रयोग वाक्य में आए किसी अन्य उपवाक्य में प्रयुक्त संज्ञा जाता है

पुनरावृत्ति प्रश्न →

1. सर्वनाम की परिभाषा दीजिए।
2. सर्वनाम के कितने भेद हैं? अनेक नाम लिखिए।
3. निश्चयवाचक सर्वनाम और अनिश्चयवाचक सर्वनाम में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
4. निजवाचक सर्वनाम का अर्थ व उदाहरण दीजिए।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 05

Date 29/07/017 | Duration of the period 40 मीनट

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar | Pupil Teacher's Roll No. 2043

Class VIII | Average Age of the pupils 13 से 14

Subject हिन्दी | Topic वाक्य के प्रकार

सहायक सामग्री :- श्याम पट्ट, चॉक, संकेतक पुस्तक, झाड़न आदि।

(1) छात्रों में मानसिक तथा बौद्धिक विकास करना।

(2) छात्रों का हिन्दी लेखन में सुधार।

(3) छात्रों में तर्कशक्ति का बढ़ावा।

(4) छात्रों की हिन्दी विषय के प्रति रूचि पैदा करना।

विशिष्ट उद्देश्य :- (1) छात्रों को वाक्य के प्रकार के बारे में समझाना।

(2) छात्रों का हिन्दी लेखन में सुधार।

(3) छात्रों को व्याकरण की शुद्धि व अशुद्धि का ज्ञान कराना।

पूर्वज्ञान परीक्षण :-

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
राम ; आगरा, कॉलेज सभी वाक्य है।	सर। यह सभी शब्द है।
मोहन, सोहन, श्याम आदि।	यह सभी शब्द हैं

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

वाक्य किसे कहते हैं?	शब्दों को जोड़कर प्रयोग करना ही वाक्य है।
वाक्य के कितने अंग हैं?	वाक्य के दो अंग हैं।
वाक्य के कितने प्रकार होते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ है।

UNITED SECULAR SOCIETY

उपविषय की घोषणा :— छात्रों ! हम आज वाक्य उपविषय पर विचार-विमर्श करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण-बिन्दु	छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
वाक्य का अर्थ	शब्दों को जोड़कर बनाया ही वाक्य कहलाता है।		
वाक्य के भेद	वाक्य के मुख्य दो भेद होता है— (1) उद्देश्य (2) विधेय	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना	सरल वाक्य का उदाहरण। (1) रश्मि आज (2) मोहन ने खाना खाया आदि।

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
विधेय	जिसके बारे में जो कुछ कहा जाए वह उद्देश्य होता है। ~~वाक्य~~ के तथा उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, वह विधेय होता है।		
उदाहरण	भागता हुआ चोर को पुलिस ने पकड़ा। इसमें 'चोर' उद्देश्य तथा विधेय 'पकड़ा' है।	छात्र ध्यान से सुन रहे हैं	वाक्य के तीन प्रकार है : ① सरल वाक्य ② संयुक्त वाक्य ③ मिश्र वाक्य
वाक्य के प्रकार	रचना के आधार पर वाक्य के तीन प्रकार हैं :- ① सरल वाक्य ② संयुक्त वाक्य ③ मिश्र वाक्य		
सरल वाक्य का अर्थ	जिस वाक्य में उद्देश्य एक या एक से अधिक हो, सरल वाक्य कहलाता है।	सभी छात्रों ने श्यामपट्ट पर देखकर अपनी कॉपियों पर लिख एवं याद किया।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
उदाहरण -	रमेश आया। मोहन ने खाना खाया।		
संयुक्त वाक्य का अर्थ	जिस वाक्य में दो या दो से अधिक समान अधिकार वाक्य हों, उससे संयुक्त वाक्य कहते हैं।	छात्र ध्यान से सुन रहे हैं	जिस वाक्य में दो या दो से आधिक समान आधिकार वाक्य हो, उससे संयुक्त वाक्य कहते है
उदाहरण -	मोहन स्कूल जाता है। इसमें और मन लगाकर पढ़ता है। इसमें 'मोहन स्कूल जाता है' यह एक दूसरा सरल वाक्य है "मन लगाकर पढ़ता है।" संयुक्त वाक्य है	छात्रों ने उदाहरण को समझा और अपनी कॉपियों में लिखा।	
	दूसरा सरल वाक्य है, इन दोनों सरल वाक्यों को और लगाकर संयुक्त किया जाता है।		
मिश्र वाक्य का अर्थ	जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य हो और एक या अधिक आश्रित उपवाक्य हो, मिश्र वाक्य कहलाता है।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक - क्रिया	छात्र - क्रिया	श्यामपट्ट
	मोहन ने कहा और पूछा कि तुम कहाँ गए थे।		
	इसमें 'मोहन ने पूछा' प्रधान उपवाक्य तथा 'मैं स्कूल जाता हूँ' आश्रित उपवाक्य है।		जिस वाक्य में दो या दो से आधिक समान आधिकार वाक्य हो, उस से संयुक्त वाक्य कहते हैं
	'राम ने कहा कि मैं स्कूल जाता हूँ। इसमें 'राम ने कहा' प्रधान उपवाक्य तथा 'मैं स्कूल जाता हूँ।" आश्रित उपवाक्य है।		
	राम ने कहा मैं स्कूल जाता हूँ। 'मिश्रित वाक्य' है।		मिश्र वाक्य का अर्थ- जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य हो और एक से आधिक आश्रित मिश्र वाक्य कहते हैं 43

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

1. वाक्य किसे कहते हैं?
2. वाक्य कितने प्रकार के होते हैं?
3. 'श्याम आया' इसमें कौन सा वाक्य है
4. मिश्र वाक्य की परिभाषा दीजिए।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

DISCUSSION LESSON-1

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 01

Date 02/11/017 Duration of the period 40 मीनट

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VIII Average Age of the pupils 12 से 14 years

Subject हिन्दी Topic अलंकार

सहायक सामग्री :- चॉक, झाड़न, संकेतक, पुस्तक, श्यामपट्ट आदि।

सामान्य उद्देश्य :- ① छात्रों का मानसिक विकास करना।

② छात्रों का हिन्दी विषय में रुचि पैदा करना।

③ सृजनात्मक का विकास करना।

④ छात्रों की कौशल शक्ति को बढ़ाना

विशिष्ट उद्देश्य :- ① छात्र अलंकार की पहचान करने में मदद सक्षम होंगे।

② छात्र उदाहरण देने में सफल होंगे।

③ छात्र वर्गीकरण करने में सफल होंगे।

④ छात्र विश्लेषण व संश्लेषण करने में सफल होंगे।

⑤ छात्रों को अलंकारों के महत्त्व को समझाना है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण :-

	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ
1.	अगर आपको कहीं बाहर जाना हो तो आप कैसे बनठन जाएंगे।	अच्छे बनठन जाते हैं।
2.	आभूषण डालने से क्या होता है।	आभूषण डालने से सुन्दरता बढ़ता है।
3.	सीता सुन्दर लड़की है। इसकी इसने क्या विशेषता बताई।	सीता की सुन्दरता प्रकट की है।
4.	छात्रों! अगर यह सब सुन्दरता है तो फिर अलंकार क्या है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य की घोषणा :-

छात्रों! आज हम अलंकार एवं उसके भेदों के बारे में विचार-विमर्श करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

विषय वस्तु	छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट
अलंकार	अलंकार का अर्थ है, आभूषण या गहना। जिस प्रकार स्त्री की सौन्दर्य वृद्धि के लिए आभूषण सहायक होते हैं, उसी प्रकार काव्यों में प्रयुक्त होने वाले अलंकार शब्दों एवं अर्थों में चमत्कार उत्पन्न करके वाक्य सौंदर्य में वृद्धि करते हैं:- जैसे - " खगकुल था बोल रहा केकैतनया का आँचल मैला रहा है"	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना एवं समझा, साथ में या करने के कार्य को प्रारम्भ किया।	अलंकार आभूषण या गहना जिस प्रकार स्त्री की सौन्दर्य वृद्धि के लिए आभूषण सहायक होते हैं
	महत्व :- साहित्य में अलंकारों का विशेष महत्व होता है। अलंकार प्रयोग से कविता सजकर आती है। अलंकारों का प्रयोग गद्य और पद्य दोनों में होता है। अलंकार का प्रयोग सहज एवं स्वभाविक रूप में प्रयोग होना चाहिए। अलंकारों को लादना नहीं चाहिए। साहित्य में शब्द और अर्थ दोनों का ही महत्व है।	छात्रों ने लिखना शुरू किया।	अलंकार का अर्थ - अलंकार का अर्थ है आभूषण। जिस प्रकार स्त्रि के आभूषण के लिए सौन्दर्य करना होगा है उसी प्रकार अलंकार भी। 47

Scanned by CamScanner

विषय-वस्तु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट
अलंकार के भेद	अलंकार के तीन भेद है – (1) शब्द अलंकार (2) अर्थ अलंकार (3) उभया अलंकार	सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	अलंकार के तीन भेद होता है: (1) शब्द (2) अर्थ (3) उभय अलंकार 48
शब्द अलंकार	जहाँ शब्दों के प्रयोग से वाक्य सौन्दर्य में वृद्धि होती है। जैसे:- "चारु चन्द्र की चंचल किरणें"		
अलंकार	जहाँ शब्दों के अर्थों के कारण काव्य में चमत्कार उत्पन्न हो, अलंकार होता है जैसे – "चरण कमल बंदौं हरि"	सभी छात्रों ने उदाहरण को याद किया।	अलंकार जहाँ शब्दों के अर्थों के कारण काव्य में चमत्कार उत्पन्न हो, अलंकार होता है जैसे- "चरण कमल बंदौं हरी"
उभया अलंकार	जिस अलंकारों का चमत्कार शब्द और अर्थ दोनों पर आश्रित है, वह उभया अलंकार होता है।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
	" नर की अरु नलनीर की गति एक कर जोई जेतो नीचे है चले, तेतो ऊँचो होई। "	सभी छात्रों ने लिखने का कार्य प्रारम्भ किया।	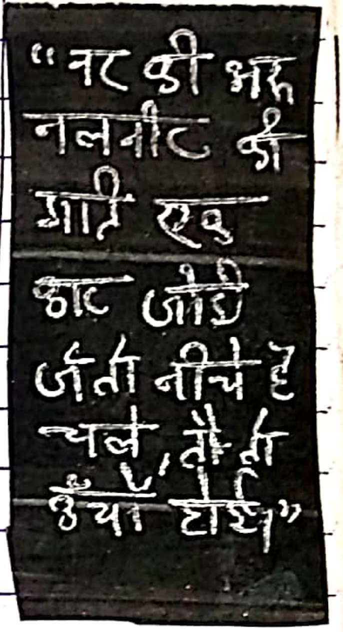
	प्रमुख अलंकार इस प्रकार है: — जिस शब्दों में किसी वर्ण की बार-बार पुनरावृत्ति होने के कारण वह अनुप्रास होता है। ' कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय वा खाये बौराई। "	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना तथा समझा	
उदाहरण	" रघुपति राघव राजा राम पतित पावन सीता राम। " यहाँ राम ही शब्द में बार-2 आवृत्ति।		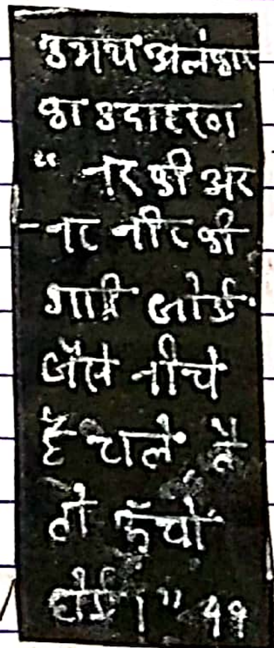
यमक अलंकार	जहाँ किसी शब्द या शब्दांश का एक से अधिक बार भिन्न-2 अर्थों में प्रयोग हो वहाँ यमक अलंकार को		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

विषय-वस्तु	छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
उदाहरण :	"कनक-कनक ते सौ गुनी।" यहाँ कनक शब्द के दो अर्थ हैं, एक कनक का अर्थ सोना है, और दूसरे कनक का अर्थ धतूरा है।	सभी छात्रों ने उदाहरण को अपनी कॉपियों में लिखना	यहाँ कनक शब्द के दो अर्थ हैं, एक कनक का अर्थ सोना है, दूसरा कनक का अर्थ धतूरा है
उपमा अलंकार	जहाँ किसी पदार्थ, व्यक्ति के गुण, रूप, दशा की तुलना किसी प्रसिद्ध व्यक्ति या वस्तु से की जा सकती है, वहाँ उपमा अलंकार होता है।		
रूपक अलंकार	अत्यंत समानता दिखाने के लिए उपमान और उपमेय में अभेद बताया जाए, वहाँ रूपक अलंकार होता है। जैसे :- "चरण कमल बन्दों हरि राई।"	छात्रों ने ध्यान से सुना।	श्लेष अलंकार का उदाहरण है। कनक-कनक ते सौ गुनी। 1 50

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"		"
उत्प्रेक्षा अलंकार	जहाँ रूप, गुण आदि की समानता के कारण उपमेय में उपमान की संभावना या उपमान की कल्पना की जाए, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है। तथा इसको व्यक्त करने के लिए मानो, मनो, ज्यों, जानो आदि का प्रयोग हो वहाँ भी उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना एवं समझा पर कुछ छात्रों ने दोबारा समझा।	उस वक्त हमारे क्रोध के तनु काँपने लगा मानो हवा के झोंके से सोता हुआ सागर जगा हो, यह उदाहरण उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण है	
उदाहरण	" उस वक्त हमारे क्रोध से तनु काँपने लगा, मानो हवा के झोंकों से सोता हुआ, सागर जगा।			
	यह उदाहरण उत्प्रेक्षा अलंकार को दर्शाता है			

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

1. अलंकार किसे कहते हैं

2. अलंकार का साहित्य में क्या महत्व है?

3. अलंकार कितने प्रकार के होते हैं?

4. प्रमुख अलंकार का क्या नाम है?

5. उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण दीजिए?

6. रूपक अलंकार किसे कहते हैं?

7. अनुप्रास अलंकार एवं यमक अलंकार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

8. गृह कार्य :— सभी छात्रों को अलंकार के भेदों एवं उदाहरण को याद करके आना है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 01

Date 6/11/017 Duration of the period 40 Min.

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VII Average Age of the pupils 12 to 14 Years.

Subject हिन्दी Topic विशेषण

सहायक सामाग्री :- श्यामपट्ट, संकेतक, झाड़ना, चॉक, पुस्तक आदि।

सामान्य उद्देश्य :- (1) छात्रों का मानसिक व बौद्धिक विकास करना।

(2) छात्रों की हिन्दी विषय के प्रति रूचि पैदा करना

(3) छात्रों में पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन का ज्ञान बताना।

(4) छात्रों में तर्कशक्ति को बढ़ाना।

(5) छात्रों को राष्ट्र के प्रति जागरूकता का ज्ञान समझाना।

विशिष्ट उद्देश्य :- (1) छात्रों को 'विशेषण' उपविषय के बारे में बताना।

(2) छात्रों को विशेषण के भेदों को बताना।

पूर्वज्ञान परीक्षण :-

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ
1.	हमारे में दस आदमी हैं, इसमें 'दस आदमी' क्या है?	यह एक विशेषण है।
2.	"राम सुन्दर लड़का है।" इसमें सुन्दर क्या है?	सुन्दर एक विशेषण है।
3.	मैं ठंडा पानी पीना चाहता हूँ। 'ठंडा पानी' क्या है?	यह एक विशेषण है।
4	छात्रों 'दस' और ठंडा पानी शब्द अपने आगे वाने वाली संज्ञा शब्दों की विशेषता बता रहा है बताओ की यह क्या है?	समस्यात्मक प्रश्न छात्र उत्तर देने में असमर्थ है।

उपविषय की घोषणा :— छात्रों। हम आज विशेषण, विशेष्य विशेषण के भेदों के बारे में विचार विमर्श करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

विषय वस्तु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
विशेषण की परिभाषा	संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताने वाले पद को विशेषण कहते हैं।- जैसे :- ठंडा, दस आदि विशेषण शब्द जिन संज्ञा और सर्वनाम पदों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं। विशेषण संज्ञा के पहले भी प्रस्तुत हो सकता है और बाद में भी।		ठंडा दस आदि विशेषण शब्द जिन संज्ञा और सर्वनाम पदों की विशेषता बताते हैं उन्हें विशेषण कहते
विशेषण भेदों के नाम	विशेषण के चार भेद हैं। इनके नाम इस प्रकार हैं :- गुणवाचक विशेषण परिमाण वाचक विशेषण संख्यावाचक विशेषण, सर्वनामिक विशेषण ऐसे विशेषण जो संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दशा, रंग, आकार आदि का बोध प्रकट कराते हैं, उसे गुण वाचक विशेषण कहते है	सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं एवं श्यामपट्ट पर देखकर कार्य को अपनी कॉपियों में लिखना शुरू किया	विशेषण के चार भेद है (1) गुण वाचक विशेषण (2) परिमाण (3) संख्या (4) सर्वनामिक
उदाहरण	अच्छा, बुरा, पतला, मोटा, नीला, छोटा, ऊँचा, मीठा, कठोर, आदि।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण वस्तु	छात्राध्यापक - क्रिया	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट
परिमाण वाचक विशेषण का अर्थ।	ऐसा विशेषण जो संज्ञा या सर्वनाम का माप, तौल या मान का बोध करता है, उसे परिमाण वाचक विशेषण कहते हैं।	सभी ध्यान -पूर्वक सुन रहे हैं।	
उदाहरण	थोड़ा, बहुत, कम, इतना, उतना, कितना आदि।		
संख्यावाचक विशेषण का अर्थ :-	ऐसा विशेषण जो संज्ञा की संख्या का बोध कराएँ, उसे संख्या वाचक विशेषण कहते हैं।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक देखकर अपनी कॉपीयों में लिख रहे हैं।	
उदाहरण -	एक, दस, पहला, चौथा, आधा आदि।		
सार्वनामिक विशेषण का अर्थ	सर्वनामों का प्रयोग संज्ञा के विशेषण के रूप में भी होता है। जब ये शब्द संज्ञा के स्थान पर अकेले आते हैं; तब सर्वनाम होते हैं और जब ये संज्ञा		

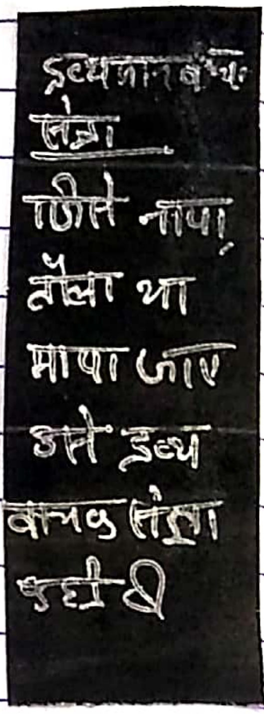

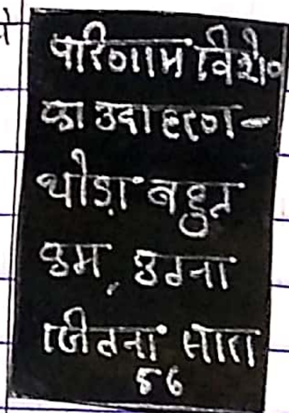

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
	शब्द के साथ अथवा पहले आते हैं, तब वे सार्वनामिक विशेषण कहलाता है।		सर्वनामिक विशेषण के चार भेद हैं ① निश्चय वाचक ② प्रश्न वा० ③ अनिश्चय वाचक ④ संबंध वाचक 57
नोट	इनको संकेतवाचक विशेषण भी कहते हैं।	उदाहरण को छात्रों ने समझा एवं एक दो	
उदाहरण	'वह' एक पुस्तक किसकी है? यह महिला क्या कह रही है?	उदाहरण और साथ ही साथ मैं भी दिया	
सर्वनामिक विशेषण के भेद एवं उनके नाम	सार्वनामिक विशेषण के चार प्रकार के होता है:— (1) निश्चयवाचक (2) प्रश्नवाचक (3) अनिश्चय वाचक (4) सम्बन्ध वाचक		
विकासात्मक प्रश्न	विशेषण के कितने भेद है?	जी सर। चार भेद है	
विकासात्मक प्रश्न	सार्वनामिक विशेषण के कितने भेद है?	जी सर। चार भेद है	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

(1) विशेषण किसे कहते हैं ?

(2) विशेष्य की परिभाषा दीजिए ।

(3) सार्वनामिक विशेषण कितने प्रकार के होते हैं व उनके नाम लिखिए ।

(4) सार्वनामिक विशेषण का दूसरा नाम क्या है ?

(5) 'वह लड़का गरीब है।' में कौन-सा विशेषण है ?

गृहकार्य :-

सभी छात्रों को विशेषण, विशेष्य व विशेषण के भेदों को लिखकर एवं याद करके लाना है।

Ravi

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 02

Date 13/11/017 | Duration of the period 40 Min..

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar | Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VII | Average Age of the pupils 12 to 13 years

Subject Hindi | Topic संधी व्याख्या

सहायक सामाग्री :- श्यामपट्ट, पुस्तक, चॉक, झाड़न, संकेतक आदि।

सामान्य उद्देश्य :- ① छात्रों का हिन्दी विषय के प्रति रुचि पैदा करना।

② छात्रों में स्मरण शक्ति को बढ़ाना।

③ छात्रों का मानसिक तथा बौद्धिक विकास बढ़ाना।

④ छात्रों के हिन्दी लेखन में सुधार।

विशिष्ट उद्देश्य :- ① छात्रों को 'संधी' उपविषय के बारे में बताना।

② छात्रों को संधी-विच्छेद के भेदों को बताना।

③ छात्रों को शुद्ध अशुद्ध का ज्ञान करना।

पूर्वज्ञान परीक्षण :-

संधी :- हिमालय एक पर्वत है। हिमालय क्या है?	संधी है
शरणागत की रक्षा करनी चाहिए, इसमें शरणागत क्या है?	शरणागत एक संधी है?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

छात्रों ! विद्यालय, हिमालय, शरणागत सभी संधि है, अब बताओ कि हम इन सबको सन्धि विच्छेद कैसे करेंगे।	समस्यात्मक प्रश्न सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ है।

उपविषय की घोषणा :— छात्रों ! हम आज 'संधि व्याख्या' उपविषय पर विचार-विमर्श करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट्ट
संधि किसे कहते हैं?	ध्वनियों के पास आ जाने से उनके मिलने पर जो परिवर्तन या विकार उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते हैं।	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना और अपनी कॉपियों में लिखा	ध्वनियों के पास आ जाने से उनके मिलने पर जो परिवर्तन या विकार उत्पन्न होते हैं
संधि के उदाहरण	संधि के अनेक उदाहरण है :— विद्यालय, हिमालय, शरणागत, आदि।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "		"	"
संधी विच्छेद का अर्थ	संधी युक्त शब्दों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया को सान्धी विच्छेद कहते हैं।	सभी छात्रों ने ध्यानपूर्वक सुना।		संयुक्त शब्दों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया को सान्धी विच्छेद कहते है
संधी विच्छेद के उदाहरण	संधी - विच्छेद अनेक उदाहरण निम्न है:- शरणागत = शरण + आगत विद्यालय = विद्या + आलय हिमालय = हिम + आलय	छात्रों ने श्याम पटट पर लिखे उदाहरण को ध्यान से समझा।		
संधी के भेद	संधी के तीन भेद हैं:- (1) स्वर संधी (2) विसर्ग संधी (3) व्यंजक संधी			
विकासात्मक प्रश्न	संधी किसे कहते है? → दो ध्वनियों के आपस में मिलने से परिवर्तन होता है, उसे सान्धी कहते है			
विकासात्मक प्रश्न	संधी के कितने भेद है? → तीन भेद है			संधी के तीन भेद है (1) स्वर संधी (2) व्यंजन सं. (3) विसर्ग संधी 61

UNITED SECULAR SOCIETY

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट
स्वर संधि का अर्थ	दो स्वरों के मिलने से जो परिवर्तन या विकार उत्पन्न होता है; उसे स्वर सन्धि कहते हैं। जैसे :- प्रत्येक = एक + एक	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना और कॉपियों में उतारा।	स्वर संधि के उदाहरण प्रत्येक = एक + एक 62
व्यंजन संधि का अर्थ	पहले शब्द के अन्त में यदि व्यंजन हो और दूसरे शब्दों के आदि में स्वर या व्यंजन हो तो दोनों के मिलने से जो परिवर्तन होता है उसे व्यंजन संधि कहते हैं		
विकासात्मक प्रश्न	संधि के भेदों के नाम बताएँ। 'मुनीश' का संधि विच्छेद कीजिए। ⇒ मुनी + ईश। इसमें स्वर संधि है।		'मुनीश' का संधि विच्छेद कीजिए मुनि + ईश। इसमें स्वर संधि है।
विसर्ग संधि का अर्थ	विसर्ग का किसी स्वर या व्यंजन के साथ मेल होने पर जो परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
विसर्ग संधि का उदाहरण	विसर्ग संधि के उदाहरण निम्न है :—		
	निश्चल = निः + चल निश्छल = निः + छल दुष्कर्म = दुः + कर्म	उदाहरणों को ध्यान से समझें एवं लिखें।	
विकासात्मक प्रश्न	जगत + नाथ की संधि कीजिए।	जी सर। जगन्नाथ	
	वागीश का सान्धि विच्छेद कीजिए	वाक् + ईश	
	स्वर संधि किसे कहते है :— दो स्वरों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है उसे स्वर संधि कहते है)		

विसर्ग संधि के उदाहरण
① निश्चय = नि + चय
② दुष्कर्म = दुः + कर्म
63

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न

① संधि किसे कहते है।

② संधि के कितने भेद होते हैं, उनके नाम लिखिए।

③ संधि विच्छेद का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

④ स्वर संधि किसे कहते है

⑤ व्यंजन संधि और विसर्ग संधि में अन्तर स्पष्ट कीजिए

गृहकार्य :- सभी छात्रों को संधि, सन्धि-विच्छेद व उसके भेदों के नाम लिखकर व याद करके आना है।

Ravi

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 03

Date 20/11/017 | Duration of the period 40 Min
Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar | Pupil Teacher's Roll No. 2003
Class VII | Average Age of the pupils 12 to 13 years
Subject हिन्दी | Topic अव्यय

सहायक सामग्री :— श्यामपट्ट, चॉक, संकेतक, पुस्तक आदि।

सामान्य उद्देश्य :— ① छात्रों को हिन्दी विषय के प्रति रुचि पैदा करना।
② छात्रों का मानसिक तथा बौद्धिक विकास करना।
③ छात्रों का हिन्दी लेखन में सुधार
④ छात्रों को राष्ट्र के प्रति उजागर करना।
⑤ छात्रों की स्मरण शक्ति बढ़ाना।

विशिष्ट उद्देश्य :— ① छात्रों को अव्यय उपविषय के बारे में बताना।
② छात्रों को अव्यय के भेद व उनके उपयोगों के बारे में विस्तृत जानकारी देना।

पूर्वज्ञान परीक्षण :—

छात्राध्यापक - क्रिया	छात्र क्रियाएं
'मोहन आज आएगा' कौन सा अव्यय है?	सर। इसमें 'आज' अव्यय है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

(2)	मोहन और सोहन में घनिष्ठ मित्र हैं, ?	इसमें 'और' अव्यय है।
(3)	वाह! तुमने खूब कहा। इसमें कौन सा अव्यय है।	इसमें 'वाह' अव्यय है।
(4.)	अव्यय किसे कहते हैं?	जिन शब्दों का रूप नहीं बदलता अर्थात् इसमें कोई विकार या परिवर्तन नहीं होता, उसे अव्यय कहते है।
(5)	छात्रों! अब बताओ की आज और वह सभी अव्यय है। इसकी क्या पहचान है कि ये सभी अव्यय है।	समस्यात्मक प्रश्न सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ है।

UNITED SECULAR SOCIETY

उपविषय की घोषणा :—

छात्रों! आज अब हम अव्यय और अव्यय के उपभेदों समझने व विचार-विमर्श करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
अव्यय किसे कहते हैं?	जिन शब्दों का रूप नहीं बदलता अर्थात् जिसमें लिंग, वचन, काल आदि के कोई विकार या परिवर्तन नहीं होता उसे अव्यय कहते हैं।		
अव्यय के भेद व उनके नाम	अव्यय के पाँच भेद हैं: (1.) क्रिया विशेषण (2.) सम्बन्ध बोधक (3) समुच्चय बोधक (4) विस्मयादि बोधक (5) निपात	सभी छात्रों ने ध्यान पूर्वक सुना व साथ ही साथ याद करने का प्रयास किया।	
क्रिया विशेषण का अर्थ व उदाहरण	जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं। जैसे :- गीता मंद मंद मुस्करा रही है।		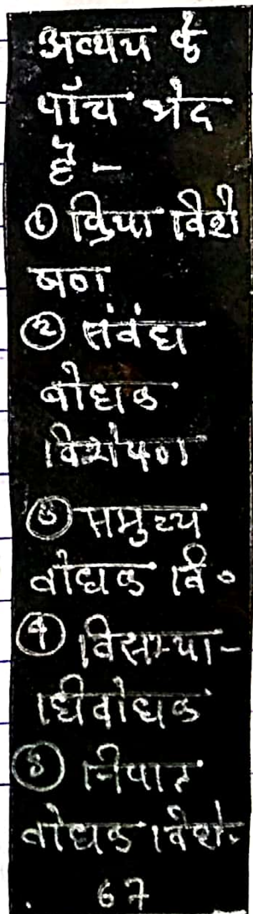
क्रियाविशेषण के भेद व उनके नाम	क्रियाविशेषण के चार भेद :- ① रीतिवाचक क्रिया विशेषण ② स्थान वाचक क्रिया विशेष ③ काल वाचक क्रिया विशेषण ④ परिणाम वाचक क्रियाविशेषण		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक - क्रिया	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट
रीतिवाचक क्रियाविशेषण का अर्थ	जो शब्द क्रिया के होने की रीति या विधि बताते हैं, उसे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।		रीति वाचक का अर्थ- जो क्रिया की होने की रीति या विधि बताते हो 68
स्थानवाचक क्रिया विशेषण का अर्थ	जो शब्द क्रिया के स्थान संबंधी विशेषण का बोध कराता है, उसे स्थानवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं		
कालवाचक क्रिया विशेषण का अर्थ	जो शब्द क्रिया के काल एवं समय सम्बन्धी विशेषता का बोध कराते हैं, उसे काल वाचक विशेषण कहते हैं		
परिमाण वाचक क्रियाविशेषण का अर्थ	जो शब्द क्रिया की मात्रा या परिमाण बताएँ, उसे परिमाण वाचक क्रिया विशेषण कहते हैं	सभी छात्रों ने ध्यान पूर्वक सुना एवं अपनी कॉपियों में लिखने का आरम्भ किया।	जो शब्द क्रिया की मात्रा या परिमाण बताएँ उसे परिमाण वाचक कहते हैं
सम्बन्ध बोधक अव्यय का अर्थ	सम्बन्ध बोधक अव्यय वो शब्द हैं, जो संज्ञा और सर्वनाम के साथ सम्बन्ध बताते हैं		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"	
	उसके पहले किसी न किसी परसर्ग की अपेक्षा रहती है।		निपात अव्यय: जिस अव्यय में शब्दों के या दो से अधिक अर्थ निकले, निपात अव्यय कहते हैं 69	
समुच्चय बोधक अव्यय का अर्थ	जो अव्यय पदों, पदबंधों और उपवाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें समुच्चय बोधक अव्यय कहते हैं, जैसे :- सोहन और मोहन सच्चे मित्र हैं	छात्रों ने इसे ध्यान पूर्वक सुना और इनको अलग-अलग उदाहरणों के द्वारा सुना।		
व्याधिकरण अव्यय का अर्थ	जो अव्यय किसी वाक्य के एक या अधिक आश्रित उपवाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें व्याधिकरण अव्यय कहते हैं			
विस्मयादि बोधक का अर्थ	जो अव्यय शब्द विस्मय, हर्ष शोक आदि तीव्र मनोभावों को व्यक्त करते हैं, उन्हें विस्मयादि बोधक ~~का अर्थ~~ अव्यय कहते हैं।		जो अव्यय शब्द विस्मय, हर्ष, शोक आदि तीव्र मनोभावों को व्यक्त करते हैं, उन्हें विस्मयादिबोधक कहते हैं।	
निपात अव्यय का अर्थ	जिस अव्यय में एक शब्द के दो या दो से अधिक अर्थ निकले, उसे निपात अव्यय कहते हैं			

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न

1. अव्यय किसे कहते हैं?
2. अव्यय के कितने भेद हैं? उनके नाम लिखिए।
3. क्रिया विशेषण का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
4. सम्बन्ध बोधक व समुच्चय बोधक अव्यय में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
5. व्याधिकरण व निपात अव्यय किसे कहते हैं?

गृह कार्य :

छात्रों! आज आपको व उपभेदों अव्यय के भेदों एवं उपभेदों को लिखकर व याद कर लाना है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 04

Date 27/11/017 Duration of the period 40 Min

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class 8वी Average Age of the pupils 13 से 14 years

Subject हिन्दी Topic होली निबन्ध

सहायक सामग्री :- श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, पुस्तक आदि।

सामान्य उद्देश्य :- ① छात्रों का मानसिक तथा बौद्धिक विकास करना।

② छात्रों की तर्क शक्ति को बढ़ाना।

③ छात्रों के हिन्दी लेखन में सुधार।

④ छात्रों के हिन्दी के शुद्ध तथा अशुद्ध का ज्ञान करना।

विशिष्ट उद्देश्य :- ① छात्रों को हिन्दी व होली निबन्ध की जानकारी देना।

② छात्रों को त्योहारों के महत्व के बारे में जानकारी देना।

③ छात्रों को होली निबन्ध के विषय में विस्तृत शिक्षा मिलेगी।

पुनरावृत्ति परीक्षण :-

Pupil Teacher's Activity	Pupil's Activities
① छात्रों! कोई तीन त्योहारों के नाम बताइए।	दशहरा, दीवाली व होली दीवाली वाले दिन हम 'लक्ष्मी माता' की पूजा करते है।

Scanned by CamScanner

(2)	दीवाली के दिन हम ~~माता लक्ष्मी के पूजा करते हैं~~ किस देवता के पूजा करते हैं?	दीपावली के दिन हम माता 'लक्ष्मी' के पूजा करते हैं।
(3)	हम त्योहारों पर क्या-क्या कार्य करते हैं?	हम त्योहारों पर मिठाई बाँटते हैं और नये कपड़े पहनते हैं।
(4)	किस त्योहार में रंगों से खेला जाता है?	~~हम त्योहारों पर मिठाई बाटी है और नये~~ होली में।
(5)	होली का त्योहार क्यों मनाया जाता है?	समस्यात्मक प्रश्न सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ थे।

UNITED SECULAR SOCIETY

उपविषय की घोषणा :— छात्रों ! आज हम 'होली - निबन्ध' उपविषय के बारे में विचार विमर्श करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट्ट
होली निबन्ध की भूमिका	भारत वर्ष में अनेक त्योहार मनाएं जाते हैं जैसे - दीपाली, रक्षा बन्धन, होली, दशहरा आदि।	छात्रों ने ध्यान से सुना।	भारत वर्ष में अनेक त्योहार मनाएं जाते हैं जैसे - दीवाली, रक्षा आदि।

Scanned by CamScanner

" "	" "	"	"
	होलीका त्योहार फागुन के महिने में पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। यह त्योहार बसंत के दिनों में मनाया जाता है। बच्चों, जवान तथा बुढे सभी इस त्योहार को हर्षो-उल्लास के साथ मनाते हैं	सभी छात्र ने ध्यान से सुना और अपनी कॉपियों में लगा।	होली का त्योहार फागुन मास से आता है इसे धुलण्डी भी कहते है 73
होली के कारण	हिरण्यकश्यप असुर कुल के राजा थे। उसके पुत्र का नाम भक्त प्रह्लाद था। हिरण्य भगवान की पूजा नहीं करते थे तथा वह खुद अपने आप को भगवान मानते थे। अपने प्रजाजनों से अपनी ही पूजा करवाते थे। लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद ने ही अपने पिता के पूजा न कर भगवान विष्णु के पूजा करते थे। जिसके कारण उसके पिता क्रोधित होकर उसे पागल हाथी से कुचलवाना चाहा, गरम आगी के कु तेल के कुण्ड या कड़ाही में फिंकवाए,		जिसके कारण उसके पिता क्रोधित होकर उसे पागल हाथी से कुचलवाना चाहा, गरम तेल में फिंकवाया

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	ऊंचे पर्वतों से गिरवाए, सागर में फेंकवाए, तभी उसका भगवान विष्णु के कृपा से कुछ नहीं बिगड़ा। अतः में हृणय कश्यप की बहन सिंघिका (होलीका) थी। उसे ब्रह्मा ने चोला गाड़ी दिया था कि उसे पहन कर अग्नि में प्रवेश करती तो उसे कुछ नहीं होता। अन्ततः उसने प्रह्लाद को लड़की के चीता में सजाया, आग में अपनी गोद में लेकर बैठ गई। परिणाम स्वरूप होलिका जल गई तथा प्रह्लाद बच गया अतः इसी होलिका के जलने के खुशी में होली मनाया जाता है।	सभी छात्रों ने होली के त्योहार को समझा	ऊंचे पर्वतों से गिरवाएं सागर में फेंकवाएं तभी उसका भगवान विष्णु के कृपा से कुछ नहीं बिगड़ा भक्त किस भगवान को मानते हैं- भगवान विष्णु को 74
भक्त प्रह्लाद किस भगवान को मानते थे	→ विष्णु।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
होली की प्रथा	होली वाले दिन संध्या के समय होलीका का पुतला जलाया जाता है इस त्योहार के दिन लोग गले मिलकर पुराने बातों को भूल कर प्रेम व्यवहार तथा भाईचारा को आगे बढ़ाते है		
होली का दिन	देश के कोने-कोने में मनाया जाता है घर-घर पुआ, खीर, मिठाई खाते है अबीर लगा कर लोगों से गले लग मिलते तथा आशीर्वाद लेते है इस दिन सड़कों पर रंग ही रंग दिखाई देता है	सभी छात्रों ने ध्यान-पूर्वक सुन रहे है	
उपसंहार	इसमें भाई-चारों की भावना बढ़ती है		

होली वाले दिन संध्या के समय होलिका का पुतला जलाया जाता है इस त्योहार के दिन लोग भेद भाव को भूल

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

① होली का त्योहार कब मनाया जाता है।

होली में भाई चारों की भावना आती है और छोटे बड़ों में एकता आती है।

75

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

(2) होली के त्यौहार क्यों मनाया जाता है?

(3) इस त्यौहार में कौन-कौन सी बुराईयाँ आती है?

(4) होली का त्यौहार किस प्रकार मनाया जाता है?

(5) होली के त्यौहार से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

गृहकार्य :- सभी छात्रों ने होली 'निबन्ध' उपनिबन्ध को लिखकर लाना है व पुनरावृति प्रश्नों को याद भी करना है

Ravi

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

3

LESSON No. 05

Date 4/12/017

Duration of the period 40 Mim.

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VII

Average Age of the pupils 11-12 year

Subject हिन्दी

Topic क्रिया

UNITED SECULAR SOCIETY

सहायता सामाग्री :- चॉक, श्यामपट्ट, पुस्तक, झाडन आदि।

सामान्य उद्देश्य :- (1) छात्रों का मानसिक तथा बौद्धिक विकास करना।

(2) छात्रों में ज्ञान की वृद्धि को बढ़ाना।

(3) छात्रों के हिन्दी लेखन में सुधार।

(4) छात्रों में राष्ट्र के प्रति जागरूकता एवं एकता का विकास करना।

(5) छात्रों को हिन्दी के शुद्ध और अशुद्ध के बारे में बताना।

विशिष्ट उद्देश्य :- (1) छात्रों को क्रिया के बारे में बताना।

(2) छात्रों को क्रिया के भेदों के बारे में जानकारी देना।

(3) छात्रों को क्रिया के विश्लेषण के बारे में विस्तृत जानकारी देना।

Scanned by CamScanner

	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ
1.	छात्रों ! बताओ कि सेब क्या है?	सर जी! यह एक फल है।
2.	फल खाना क्या है?	सर जी! यह एक क्रिया है।
3.	कर्म किसे कहते हैं?	कर्ता जिसे करते हैं, वह कर्म है।
4.	क्रिया किसे कहते हैं?	जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उसे क्रिया कहते हैं।

समस्यात्मक प्रश्न :- शब्द सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ हैं

उपविषय की घोषणा :- छात्रों ! आज हम क्रिया व उसके भेदों के बारे में विचार विमर्श करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट्ट
क्रिया का अर्थ	जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उसे 'क्रिया' कहते हैं। जैसे- (1) पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं। (2) रोहित सो रहा है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुना एवं लिखेंगे काम पूरा किया।	जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाए उसे क्रिया कहते हैं।
क्रिया के भेद	क्रिया के दो भेद हैं (1) सकर्मक क्रिया (2) अकर्मक क्रिया		
विकासात्मक प्रश्न	क्रिया के कितने भेद हैं- → उत्तर दो		
सकर्मक क्रिया का अर्थ	जहाँ पर क्रिया के व्यापक फल, कर्म पर पड़े उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे कृष्णा सेब खाती है।		
सकर्मक क्रिया के प्रकार	सकर्मक क्रिया तीन प्रकार की होती है। (1) पूर्ण अकर्मक क्रिया (2) पूर्ण द्विकर्मक क्रिया (3) अपूर्ण सकर्मक क्रिया।		क्रिया: किसी जिस शब्द से किसी काम को करना या होना पाया जाता है, उसे क्रिया कहते हैं 79

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	अध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
पूर्ण अकर्मक क्रिया	जिस क्रिया का केवल एक ही कर्म हो, पूर्ण अकर्मक क्रिया कहते हैं।	सभी छात्रों ने शब्दों के नामों को याद किया	सकर्मक क्रिया के तीन भेद है ① पूर्ण अकर्मक ② पूर्ण द्विकर्म-क ③ अपूर्ण सकर्मक क्रिया
उदाहरण	राधा खाना खाती है। कोमल गीत गाती है।		
पूर्ण द्विकर्मक क्रिया	जिस क्रिया में दो कर्म हो, उसे द्विकर्मक क्रिया कहते हैं।		
उदाहरण	अध्यापक ने छात्र को पुस्तक दी।		
अपूर्ण सकर्मक	जिन क्रियाओं में कर्म होते हुए भी अर्थ का पूरा बोध नहीं होता है।		जिस क्रिया का केवल एक ही कर्म हो, पूर्ण अकर्म-क क्रिया कहते हैं
उदाहरण	सीता, मीना को बिल्कुल मूर्ख समझती है।	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना और लिखा।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	"	"	"	"
अकर्मक क्रिया	जिस क्रिया में कर्म की आवश्यकता नहीं होती उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं	जिस क्रिया में कर्म की आवश्यकता नहीं होती, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं	
उदाहरण	राम जाता है। राकेश सोता है।			
अकर्मक क्रिया के भेद	इसके तीन भेद हैं (1) स्थित्यर्थक क्रिया (2) गत्यर्थक क्रिया (3) अपूर्ण अकर्मक (4) क्रिया		अकर्मक क्रिया के तीन भेद हैं (1) स्थित्यर्थक क्रिया (2) गत्यर्थक क्रिया (3) अपूर्ण अकर्मक क्रिया	
विकासात्मक प्रश्न	अकर्मक क्रिया के कितने भेद हैं?	तीन भेद हैं।		
विकासात्मक प्रश्न	अकर्मक क्रिया का कोई एक उदाहरण दीजिए	राम पढ़ता है		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

1. क्रिया किसे कहते है?
2. क्रिया के कितने भेद है?
3. अकर्मक क्रिया और सकर्मक क्रिया में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
4. अकर्मक क्रिया के भेदों के नाम लिखिए।
5. 'राधा खाना खाती है' इसमें कौन सी क्रिया है?

गृह कार्य :- सभी छात्रों को पुनरावृत्ति प्रश्नों को लिखकर याद करके आना है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. ..26......

Date.. 11 / 12 / 017 Duration of the period 40 Min

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar Pupil Teacher's Roll No 2003

Class VIII Average Age of the pupils 12 to 13 years

Subject हिन्दी Topic समास के भेद, समास के भेद

सहायक सामग्री :- चॉक, डस्टर, पेंसिल, पुस्तक आदि।

सामान्य उद्देश्य :- (1) छात्रों को हिन्दी भाषा का ज्ञान कराना।

(2) छात्रों में सृजनात्मक शक्तियाँ विकसित करना।

(3) छात्रों में ज्ञान की वृद्धि को बढ़ाना।

(4) छात्रों का हिन्दी लेखन में सुधार।

विशिष्ट उद्देश्य :- (1) छात्रों में समास पहचान करने की योग्यता विकसित करना।

(2) छात्रों में समास पहचानने की योग्यता विकसित करना।

(3) छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करना।

(4) छात्रों में तर्कशीलता को बढ़ाना।

UNITEDSECULARSOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र-क्रियाएं
भाषा किसे कहते हैं?	भाषा मानव मुख से निकलने वाली वे ध्वनियाँ हैं, जो अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने का काम करती हैं।
व्याकरण किसे कहते हैं?	भाषा के ध्वनि शब्दों की व्याख्या को व्याकरण कहते हैं।
राम, आगरा, कॉलेज ये सब क्या हैं?	यह सब शब्द हैं।
भाषा का छोटा रूप क्या है?	इसको समास कहते हैं।
समास के कितने भेद हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उपविषय की घोषणा :-

छात्रों! आज हम समास व उसके भेदों पर विचार-विमर्श करेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक - क्रिया	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट्ट
समास शब्द का अर्थ -	समास शब्द का अर्थ है - पास रखना, छोटा करना आदि।		समास शब्द का अर्थ है पास रखना, छोटा करना आदि (संक्षिप्त करना)
	समास से तात्पर्य ऐसे शब्दों का प्रयोग करके किसी भी वाक्य को संक्षिप्त करना है।	छात्र ध्यान से सुन रहा है।	
उदाहरण	"राजा का महल" महल कहने के स्थान पर राजमहल कहना अधिक उपयुक्त होगा		
समास रचना	समास के दो पद होते हैं - ① पूर्व पद ② उत्तर पद		समास के छः भेद है :- ① तत्पुरुष ② कर्मधारय ③ द्विगु ④ द्वन्द ⑤ अव्ययी ⑥ बहुव्रीही
समस्त पद	समास से बनी पद को समस्त पद कहते है।	छात्रों ने अपनी कॉपियों में लिखना शुरु किया।	
समास के भेद	समास के छः भेद है जो इस प्रकार है		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिंदु	छात्र अध्यापक-क्रिया	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट्ट
तत्पुरुष समास	जहाँ समस्त पदों के बीच में परामर्श के लोप का बोध होता है, उसे तत्पुरुष कहते हैं। जैसे – पद प्राप्त, पद को प्राप्त।		जहाँ समस्त पदों के बीच में परामर्श के लोप का बोध होता है उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।
कर्मधारय समास	जहाँ समस्त पद के दोनों पदों में उपमान में उपमेय का सम्बन्ध है। जैसे – नीलकमल = नीला है जो कमल	सभी छात्रों ने ध्यानपूर्वक सुना समझा तथा अपनी कॉपियों में लिखना शुरू किया।	
द्विगु समास	जिसका समस्त पद का पहला पद संख्या वाचक हो तथा समूह का बोध कराएँ वहाँ द्विगु समास होता है → जैसे – त्रिभुवन, तीन भुवनों का समूह		
बहुव्रीही समास	समस्त पद अपने अर्थ के अतिरिक्त किसी अन्य अर्थ का दुर्पयोग करता है, वहाँ बहुव्रीही समास होता है।		बहुव्रीही समास के उदाहरण पीताम्बर = पीला है वस्त्र जिसका – माँ सरस्वती

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	" "	"	"
	जैसे :- 'पीताम्बर' 'पीला है वस्त्र जिसका'		कर्मधारय समास जहाँ समस्त पदों के दोनों खण्डों में उपमान में उपमेय का सम्बन्ध हो 86
द्वन्द समास	जहाँ समस्त पद दोनों खण्ड समान स्तर के हो तथा जिसमें और या अथवा योजक का लोप हो, जैसे - रात-दिन का = रात और दिन	सभी छात्र सुन रहे हैं याद करने के पश्चात कर रहे है	
अव्ययी समास	समास पद के दो खण्डों में पहला खण्ड अव्यय हो या अव्यय का कार्य करता हो जैसे :- दिन दिन = प्रति दिन, आजन्म = जन्म से लेकर		समस्त पद के दो खण्डों में पहला खण्ड अव्यय हो या अव्यय का कार्य करता है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न

1. समाज किसे कहते हैं ?

(2) समाज के कितने भेद हैं ?

(3) अस्थायी भाव समाज की परिभाषा दीजिए ।

(4) बहुव्रीहि समाज के परिभाषा दीजिए ।

(5) कर्मधारय समाज का एक उदाहरण दीजिए ।

गृहकार्य :- छात्रों ! आज हमने जो समाज के बारे में पढ़ा है वो लिखकर व याद करके आना है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 07

Date 18/12/017

Duration of the period 35 Min.

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VII

Average Age of the pupils 13 years

Subject हिन्दी

Topic पर्यावरण प्रदूषण (निबंध)

सहायक सामग्री :- चॉक, पुस्तक, श्यामपट्ट, झाड़न आदि।

सामान्य उद्देश्य :- (1.) छात्रों को हिन्दी भाषा का ज्ञान कराना।

(2) छात्रों की सृजनात्मक क्रियाओं को विकसित करना

(3) छात्रों के हिन्दी लेखन का सुधार करना।

(4) छात्रों का निबन्ध का ज्ञान कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :- (1) छात्रों को हिन्दी विषय से अवगत कराना।

(2) छात्रों में तर्कशीलता बढ़ाना।

(3) छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होगी

(4) बच्चों को निबन्ध की पहचान की शक्ति पैदा होगा।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ
1.	बच्चों प्रातः काल सैर के लिए क्यों जाते हो	प्रातः काल सैर करने से शुद्ध वायु मिलती है तथा हमारा स्वास्थ्य ठीक रहता है
2.	पहली सुख निरोगी काया से क्या तात्पर्य है।	स्वस्थ्य रहना।
3.	पेड़-पौधा नहीं होंगे तो क्या होगा है?	पर्यावरण के संतुलन बिगड़ जाएगा।
4.	पेड़ पौधा हमारे जीवन के लिए कैसे उपयोगी है	पेड़ पौधा भूमि के कटाव को रोकता है तथा शुद्ध पर्यावरण शुद्ध रखता है
5.	पेड़-पौधा से संतुलन बिगड़ता तथा बनता है तो पर्यावरण प्रदूषण क्या है	समस्यात्मक प्रश्न।

UNITED SECULAR SOCIETY

उद्देश्य की घोषणा :- बच्चों आज हम पर्यावरण प्रदूषण के विषय में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	विद्यार्थी क्रियाएँ	श्यामपट्ट
पर्यावरण का अर्थ	पर्यावरण दो शब्दों से मिलकर बना है		प्राकृतिक सामाजिक सांस्कृतिक

Scanned by CamScanner

"	"	"	"
	परि+ आवरण। अर्थात् हमारे चारों ओर का आवरण, जिससे हम घिरे रहते हैं, पर्यावरण कहलाता है। अंग्रेजी में पर्यावरण को 'Pollution' जो शब्द बना है जिसका अर्थ होता है, दूषित या गंदा कर देना।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	अंग्रेजी में पर्यावरण को Pollution शब्द बना है जिसका अर्थ होता है दूषित या गंदा।
पर्यावरण के प्रकार	यह मुख्य तीन प्रकार के हैं:— (1) प्राकृतिक (2) सामाजिक (3) सांस्कृतिक	सभी छात्र ध्यान से सुन रहे हैं एवं अपनी कॉपियों में लिख रहे हैं।	
पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार वायु प्रदूषण।	पर्यावरण प्रदूषणों के चार प्रकार होता है:— वायु प्रदूषण कारखानों से निकलने वाली गैस से उत्पन्न होता है। जिससे धुआँ वायुमण्डल गंदा हो जाता है।		पर्यावरण के अर्थ हमारे चारों ओर का आवरण जिसमें घिरे रहते हैं उसे पर्यावरण कहते हैं ९।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक-क्रियाएं	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट्ट
जल प्रदूषण का अर्थ	जल प्रदूषण में कुछ कारखानों का निकला पानी तथा नदियों में मरे हुए जानवरों तथा इन्सानों का शव फेंकने से जल प्रदूषित होती थी गंगा नदी भी गंदी हो गई। जल में जानवरों को मल मूत्र को फेंकने से से भी होता है	सभी छात्र ध्यान से सुन रहे थे	ध्वनि प्रदूषण की एक डेसीबल के मात्रा आता है घरपानी में कम होता है
ध्वनि प्रदूषण का अर्थ	ध्वनि प्रदूषण के कारण कल-कारखानों का शोर यातायात का भी अत्यधिक शोर होना, तेज लाउडस्पीकर का बजाना आदि ध्वनि प्रदूषण का कारण है	सभी छात्रों ने ध्यान पूर्वक सुन कर समझे	
भूमि प्रदूषण	भूमिका प्रदूषण मिट्टी में या खेतों में विभिन्न प्रकार के रसायनिक उर्वक प्रदूषण को छिड़काव या खेतों में रसायनिक खाद डालने से मृदा प्रदूषण होता है		ध्वनि प्रदूषण कारखानों के शोर, तेज आवाज तथा यातायात से होता है ९२

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

”	” ”	”	”
पर्यावरण प्रदूषण की हानियाँ	पर्यावरण प्रदूषण से अनेक प्रकार की हानियाँ होती है:— शारीरिक रोग बढ़ने लगता है:— हृदय रोग, पीलिया, सिरदर्द, थकान, मानसिक रोग आदि।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है तथा अपने कॉपियों में लिख रही है	पर्यावरण प्रदूषण से अनेक हानियाँ होती है समान शारीरिक रोग भी होता है
पर्यावरण प्रदूषण से बचने का उपाय	उद्योग पर नियंत्रण रखा जाए। विषैले जल को नदी नालों में न गिरने दिया जाए। सड़कों के दोनों किनारों पर वृक्ष लगानी चाहिए। पानी को स्वच्छ रखना चाहिए।		उद्योग पर नियंत्रण रखा जाए। विषैले जल को नदी-नालों में न गिराया जाए।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न :—

1. पर्यावरण शब्द से क्या तात्पर्य है?
2. पर्यावरण प्रदूषण कैसे होता है?
3. पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार कौन-कौन से हैं?
4. पर्यावरण प्रदूषण को कैसे रोका जा सकता है?
5. ध्वनि प्रदूषण और वायु प्रदूषण में स्पष्ट कीजिए।

गृह कार्य :— छात्रों ! आज हमने जो निबंध पढ़ा और लिखा आना इसको पढ़कर और लिखकर आना है।

Ravi

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 08

Date 25/12/017
Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar
Class VIII
Subject हिन्दी

Duration of the period 40 min.
Pupil Teacher's Roll No. 2003
Average Age of the pupils 14 years
Topic 'वन के मार्ग में' कविता

सहायक सामग्री :— श्यामपट्ट, चॉक, पुस्तक, झाड़न, संकेतक आदि।

सामान्य उद्देश्य :—
1. छात्रों को हिन्दी भाषा का ज्ञान कराना।
2. छात्रों में सृजनात्मक शक्तियाँ विकसित करना।
3. छात्रों की कल्पना शक्ति को विकसित करना।
4. छात्रों में स्वर, प्रवाह तथा भावों के अनुरूप कविता पाठ की योग्यता।

विशिष्ट उद्देश्य :—
1. छात्रों को 'वन के मार्ग' कविता की जानकारी देना।
2. कविता की व्याख्या को अच्छी तरह समझाना।
3. छात्रों को 'वन के मार्ग' कविता के महत्व व उपयोगिता की जानकारी देना।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ
1. छात्रों ! क्या आपने कभी कोई कविता सुनी है?	जी सर ! सुनी है
2. तो बताओ कौन-कौन सी कविता सुनी है	चिड़िया के पर, (बापू के तीन बन्दर)
3. बच्चों को रामायण (चित्र दिखाते हुए)	राम, लक्ष्मण और सीता है
4. यह कहाँ जा रहे हैं ?	'वन' में।
5. यह वन क्यों जा रहे हैं, और किसके कहने पर जा रहे हैं	समस्यात्मक प्रश्न सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ है,

उपविषय की घोषणा

UNITED SECULAR SOCIETY

"	" "	"	"
वन के मार्ग कविता	इस पाक्ति में तुलसीदास कहते है कि जब राम, लक्ष्मण और सीता ने अयोध्या नगरी से निकल कर धैर्य धारण करके दो ही कदम रखे थे।		इस पाक्ति में तुलसीदास कहते है कि जब राम, लक्ष्मण और सीता ने अयोध्या नगरी से निकली।
"पुरते .... जल चावे।	अर्थात् कुछ ही दूर चले थे कि सीता को पसीना आने लगा, उसके ओठ सुखने लगा. तब सीता ने पुछीं है स्वामी हमें कितना दूर और चलना है तथा आप कब पत्तों की कुटियाँ बनाएगें।	सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं और शब्दार्थ को अपनी कॉपियों में लिख रहे हैं।	
	व्याकुलता को देखकर भगवान श्री राम की आँखों में आँसु आ गए।		
			वन के मार्ग में कवि तुलसी दास द्वारा रचित है और इसमें राम, लक्ष्मण तथा सीता का वर्णन मिलता है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शि० बि०	छात्राध्यापक - क्रियाएं	छात्र - क्रियाएं	श्यामपट्ट
	सीता को प्यास लग जाती है, लक्ष्मण पानी लेने के लिए चले जाते हैं। फिर लक्ष्मण पत्तों को इकट्ठा कर कुटिया बनाने लग जाते हैं सीता के एक वृक्ष के नीचे बैठा बैठा थी		श्री राम ने अपने निवास के लिए जो कुटिया बनाई थी वह किस चीज की बनी थी - वह कुटिया पत्तों की बनी थी। 14
जिज्ञासात्मक प्रश्न		वह कुटिया पत्तों की बनी थी।	
विकासात्मक प्रश्न	श्री राम की पत्नी का क्या नाम है?	सीता	श्रीराम को मर्यादापुरुषोत्तम कहा जाता है क्योंकि वह अपने वचनों पर अटल थे।
	श्रीराम को मर्यादापुरुषोत्तम क्यों कहा जाता है? कहानी कहती है जब राम लक्ष्मण और सीता वन में रहे थे ही	क्योंकि श्री राम एक धीरज तथा कोमल हृदय के थे।	

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
"जल को .... वारि बिलोचन बढ़े"	जब सीता जी को प्यास लग जाती है। लक्ष्मण पानी लेने के लिए जाता है। पीछे-पीछे राम और सीता किसी छाया दार किसी वृक्ष के नीचे बैठ जाता हैं। सीता जी अपने पति से कहते है कि हे प्रिय। लाओ मैं आपका पसीना पोंछ देता हूँ। और गरम रेत पर चलने के कारण आपके ~~के~~ कारण। पांव गरम हो जाते हैं। लाओ मैं आपका चरण धो देता हूँ। तुलसीदास जी कहते है कि श्री राम अपने नैनों को घुमाते जाते हैं रोमांचित हो जाई थी	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हो	जब सीता जी को प्यास लग जाती है। लक्ष्मण पानी लेने के लिए जाते थे
			वन के मार्ग कविता की व्याख्या इस प्रकार है

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

1. प्रथम सवैये में कवि ने राम-सिया सीता के विषय किस प्रसंग का वर्णन किया।

2. वन के मार्ग में सीता जी को कौन-कौन से कठिनाई उठाना पड़ा।

3. सीता जी के आतुरता देखकर राम की क्या प्रतिक्रिया होती है?

4. दूसरे सवैये में सीता ने अपनी पति राम से क्या पूछा?

गृहकार्य :-

बच्चों। कल आप हम ने 'वन के मार्ग' में कविता को घर से याद करके व इस कविता से सम्बन्धित सभी प्रश्न याद करके लाने हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Ravi

Scanned by CamScanner

Date 05/01/018 **LESSON No.** 09

Duration of the period 40 min.

Pupil Teacher's Name Yogeshwar

Pupil Teacher's Roll No. 2008

Class VII

Average Age of the pupils 14 years

Subject हिन्दी

Topic रेलवे स्टेशन का दृश्य

सहायक सामग्री :- श्याम पट्ट, चॉक, पुस्तक, झाड़न आदि।

सामान्य उद्देश्य :- ① छात्रों को हिन्दी भाषा का ज्ञान कराना।

② छात्रों का मानसिक और बौद्धिक विकास करना।

③ छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना।

④ छात्रों की हिन्दी लेखन में सुधार।

विशिष्ट उद्देश्य :- ① छात्रों के हिन्दी भाषा में ज्ञान कराना।

② छात्रों को रेलवे स्टेशन के दृश्य से अवगत कराना।

③ छात्रों में दर्शनीय स्थल देखने की इच्छा पैदा करना।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र - क्रियाएं
① बच्चों ! आप एक जगह से दूसरी जगह तक जाने के लिए किन -किन मार्गों पर साधनों का प्रयोग करते हो	वाहनों का।
② जिस स्टेशन से आप रेल गाड़ी मे बैठते है, उसे क्या कहते है?	प्लेटफार्म।
③ रेलगाड़ी पर सामान कौन ढोता है?	कुली
④ क्या आपने 'रेलवे स्टेशन' के दृश्य पर कोई निबन्ध लिखा है?	समस्यात्मक प्रश्न।

—: उपविषय की घोषणा :—

बच्चों आज हम रेलवे स्टेशन के बारे मे पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट्ट
रेलवे स्टेशन टिकट लेना वर्णन	रेल गाड़ी में यात्रा करने के लिए हमें रेल स्टेशन से टिकट खरीदना पड़ता है। बिना टिकट के यात्रा करना कानूनी अपराध है। रेलवे स्टेशन में यात्रियों के लिए अनेक प्रकार के सुविधा उपलब्ध होती है। रेल आने से पहले यात्री गृह में विश्राम करना पड़ता है। यात्रियों को स्टेशन में बैठने के लिए बैंच, पीने के लिए नल, शौचालय, खाने-पीने की वस्तुएं आदि प्रबंध होता है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	रेलवे स्टेशन में रेल यात्रियों के लिए अनेक सुविधाएं उपलब्ध होती है 103 रेल गाड़ी में यात्रा करने के लिए हमें स्टेशन से टिकट खरीदना पड़ता है।
	रेलगाड़ी लोहे और लकड़ी से बनी होती है। इसमें बैठने के लिए सीट बनी होती है।	सभी छात्र ध्यान से सुन रहे हैं।	
सुविधाएं	इसमें सामान रखने के लिए सुविधा होती है। रेलगाड़ी में यात्री विश्राम भी कर सकता है।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	अध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	रेलगाड़ी में बिजली, पंखा, एक शौचालय की भी व्यवस्था होता है। रेलगाड़ी प्रथम श्रेणी, तथा द्वितीय श्रेणी के भी सीटें उपलब्ध होती है। इसके सीटें गद्देदार होती है।	सभी छात्र ध्यान पूर्वक दृश्य का मनोरंजन करते हैं।	स्टेशन पर सामान उतारने के लिए कुली का भी [illegible] होता है।
रेलवे स्टेशन दृश्य	स्टेशन पर सामान उठाने के लिए कुली होते हैं। रेलगाड़ी में एक गार्ड भी होता है, इसके पास एक हरी तथा एक लाल झण्डी होता है। जब वह हरी झण्डी दिखाता है तो वह चल पड़ती है। रेलगाड़ी का दृश्य देखने लायक होती है। चाय, पानी, कॉफी नाश्ता, खाना आदि का भी प्रबन्ध होता है।		रेलगाड़ी में बिजली, पंखे, शौचालय की व्यवस्था होती है, उसकी सीटें गद्देदार होती है। 104

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
रेलवे स्टेशन का मनमोहक दृश्य	रेलवे स्टेशन में किसी को छोड़ने आता है तो किसी को लेने आते हैं, साथ ही ओवर ब्रिज भी बनाया जाता था।		रेलवे स्टेशन में किसी को छोड़ने आते है तो किसी को लेने आते है
	टीकट निरीक्षक के टोलियाँ व्यक्ति के टीकट जाँच करता है।		
	गाड़ी चले जाने पर भीड़-भाड़ से भरा स्टेशन सूना दिखाई देने लगता है। सभी प्रकार के सामान बेचने वाले भी आ जाते हैं।		
	अब स्टेशन पर वह यात्री रह जाते हैं जो गाड़ी के आने का इन्तजार है।		
		सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं	रेलवे स्टेशन का दृश्य बड़ा ही मनमोहक होता है जो गाड़ी के और स्टेशन पर बड़ी भारी भीड़ दिखाई देती है। 105

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न

1. जिस स्थान पर आकर रेलगाड़ी रुकती है, उसे क्या कहते हैं?
2. आप स्टेशन पर क्या-क्या देखते हैं?
3. स्टेशन पर यात्रियों के समान कौन उठाता है?
4. बिना टिकट यात्रा करने पर क्या होता है?

गृह कार्य :-

आज हमने जो निबन्ध पढ़ा है उसे लिख कर व याद करके लाना है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Date 22/01/018 **LESSON No.** 10

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar — Duration of the period 40 min.

Class VIII — Pupil Teacher's Roll No. 2003

Subject हिन्दी व्याकरण — Average Age of the pupils 13 years

Topic विराम चिन्ह

सहायक सामग्री :— चॉक, पुस्तक, श्याम, संकेतवाचक आदि।

सामान्य उद्देश्य :— (1) छात्रों को हिन्दी भाषा का ज्ञान कराना।

(2) छात्रों में कल्पना शक्ति को बढ़ाना।

(3) छात्रों में मानसिक तथा बौद्धिक विकास करना।

(4) छात्रों को राष्ट्र के प्रति जागरूक करना।

विशिष्ट उद्देश्य :— (1) छात्रों को विराम चिन्ह के बारे में समझाना।

(2) छात्रों को विराम चिन्ह के प्रकारों का सम्पूर्ण ज्ञान देना।

(3) छात्रों को हिन्दी की शुद्धि और अशुद्धि से अवगत कराना।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ
1. भाषा के कितने रूप हैं?	सर! दो। ① मौखिक ② लिखित
2. 'मैं दूध पीता हूँ' यह क्या है?	यह एक वाक्य है?
3. वाक्यों के अन्त में क्या किया जाता है?	विराम चिन्ह का प्रयोग किया जाता है।
4. 'राम सोता है।' इस वाक्य के अन्त में क्या है?	सर! विराम-चिन्ह
5. छात्रों, अगर यह सब विराम चिन्ह किसे कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उपविषय की घोषणा :— बच्चों। आज हम विराम चिन्ह के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण-बिन्दु	छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट
विराम चिन्ह	अध्यापक कहता है कि हम बातचीत करते समय अपने भावों को स्पष्ट करने के लिए कहीं ठहरते हैं। इस ठहराव को चिन्हों द्वारा दिखाया जाता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहा है।	विराम चिन्ह आठ प्रकार के होते हैं:- ① पूर्ण विराम ② अल्प विराम ③ अर्द्धविराम ④ विस्मय बो. ⑤ योजक चि. ⑥ निर्देशक चिन्ह ⑦ उदाहरण ⑧ प्रश्न सूचक विराम 109
विराम चिन्ह का अर्थ	भावों एवं विचारों को स्पष्ट करने के लिए जिन चिन्हों का प्रयोग होता है, उसे विराम चिन्ह कहते हैं:— ① वह राम का [illegible] पिता है। ② वायुमण्डल क्या है?		
विराम चिन्ह का प्रकार	विराम चिन्ह आठ प्रकार के होते हैं ① पूर्ण विराम ② अल्प विराम ③ अर्द्ध विराम ④ विस्मय बोधक ⑤ योजक चिन्ह ⑥ निर्देशक चिन्ह ⑦ उदाहरण चिन्ह ⑧ प्रश्न सूचक	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना व अपनी कॉपियों में लिखा।	अध्यापक कहता है कि हम बातचीत करते समय अपने भावों को स्पष्ट करते समय का प्रयोग [illegible]

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट
पूर्ण विराम	सभी वाक्यों के अन्त में पूर्ण विराम का प्रयोग होता है प्रभात नहीं जाएगा। वह स्कूल जाता है।	छात्र ध्यान से सुन रहे है	सभी वाक्यों के अन्त में पूर्ण विराम का प्रयोग होता है
अल्प विराम	एक ही प्रकार के वाक्यों में जहाँ बीच में कहाँ, जहाँ थोड़ी देर के लिए रुकता है, वह इसका प्रयोग होता है जैसे → दिल्ली, कलकत्ता तथा चेन्नई आदि बड़े महानगर है		
अर्द्ध विराम	पूर्ण - विराम से कम देर ठहरने के लिए अर्द्ध विराम का प्रयोग किया जाता है, जैसे - संज्ञा और उसके प्रकार	सभी छात्र सुन रहे है	पूर्ण विराम के अर्थ - सभी वाक्यों के अन्त अन्त में पूर्ण विराम का प्रयोग किया जाता है 110
उद्धरण :-	किसी कथन को उसी रूप में दिखाने के लिए जिस रूप का प्रयोग होता है। गाँधी जी ने कहा है कि अन्त में सच्चाई की हमेशा जीत होती है।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

''	''	''	''
प्रश्नवाचक चिन्ह	इसमें प्रश्नवाचक चिन्ह वाक्य के अन्त में लगता है, जो प्रश्न पूछने के लिए किया गया।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं एवं अपनी कॉपियों में लिख रहे थे	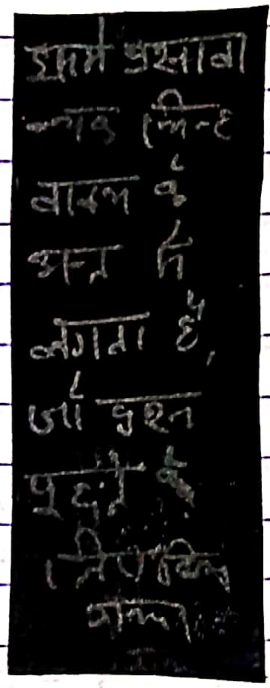
विस्मयादिबोधक चिन्ह	विस्मयादिबोधक चिन्ह वाक्य के मध्य और अन्त में लगता है. जैसे		
योजक बोधक	यह दो शब्दों के जोड़ने के लिए किया जाता है। जैसे - माता-पिता आदि।		
निर्देशन चिन्ह	इसका प्रयोग वाक्य के अन्त में स्थिति के अनुसार किया जाता है। माता = पुन: इधर आओ आदि। यह उदाहरण निर्देशन चिन्ह को दर्शाता है		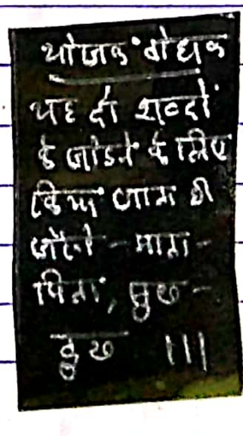

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न

1. विराम चिन्ह का क्या अर्थ है?

2. विराम चिन्ह कितने प्रकार का होता है?

3. 'राम पुस्तक पढ़ता है' इस वाक्य में किस विराम चिन्ह का प्रयोग किया जाता है

4. प्रश्न सूचक एवं विस्मयादिबोधक बोधक विराम चिन्ह में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

गृहकार्य :-

विद्यार्थियों आज हमने जो विराम-चिन्ह के बारे में पढ़ा है। वह लिखकर याद करके लाना।

Ravi

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Date 29/01/2018 **LESSON No.** 11

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar
Duration of the period 40 Min.
Class VII
Pupil Teacher's Roll No. 2003
Subject हिन्दी
Average Age of the pupils 13 वर्ष
Topic लोमड़ी और कौआ

सहायक सामग्री :- चॉक, श्यामपट्ट, झाड़न, पुस्तक आदि ।

सामान्य उद्देश्य :-
① छात्रों का मानसिक तथा बौद्धिक विकास करना ।
② छात्रों का हिन्दी लेखन में सुधार
③ छात्रों में कल्पना शक्ति को बढ़ाना ।
④ छात्रों में सृजनात्मक का विकास ।

विशिष्ट उद्देश्य :-
① छात्रों को 'लोमड़ी और कौआ' की कहानी के बारे में बताना ।
② छात्रों को कहानियों के बारे में बताना ।
③ कहानियों से हमें कुछ न कुछ शिक्षा अवश्य लेनी चाहिए ।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

1.	आपको कहानी कौन सुनाता है?	दादा जी
2.	दादा - और दादी कौन-कौन सा कहानी सुनाते हैं?	लोमड़ी और कौआ
3.	क्या तुमने लोमड़ी और कौआ की कहानी सुन रखी है?	हाँ, सर।
4.	छात्रों अगर आपको लोमड़ी और कौवे की कहानी सुनायी है तो बताइये कि हमें इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य की घोषणा :- बच्चों! आज हम 'लोमड़ी और कौआ' की कहानी पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
लोमड़ी और कौवे की कहानी का वर्णन	एक लोमड़ी और एक कौवा था। लोमड़ी भूखी थी वह इधर-उधर भोजन के तलाश में घूम रही थी परन्तु उसे कहीं पर भी भोजन नहीं मिला। अतः में वह एक बगीचे में पहुँची।		लोमड़ी चालाक थी, और कौआ का भ्रान्ता की आदे त्याग से रोटी छीनी।
	बगीचा में पहुचते ही एक कौआ को देखा। उसके चोंच में एक रोटी का टुकड़ा था। लोमड़ी ने सोची इस रोटी के टुकड़े को मैं कैसे प्राप्त कर सकूँगी लोमड़ी चालाक (चतुर) थी, उसने एक तरकीब सोची उसने कौवे की झूठी तारिफ करने लगी की कौआ कैसा तुम तो बहुत सुन्दर हो। तुम बहुत अच्छा गाना गाते हो। सुना है कि तुम्हारी आवाज में बहुत मिठास है,	बच्चे शांति ध्यान पूर्वक सुनते रहे।	लोमड़ी और कौआ कहानी का वर्णन भाग 1,2

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक - क्रिया	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट्ट
लोमड़ी और कौआ	आपकी आवाज जो भी सुनता है वह भावविभोर हो जाता है। क्या आप आज मुझे एक गाना सुना सकते हो। कौवे को अपने आप में अभिमान हो गया तथा वह उसकी बात सुन कर बहुत प्रसन्न हुआ। उसने गाना गाने के लिए जो ही अपना चोंच खोला, उसकी मुख की रोटी का टुकड़ा नीचे गिर गया। लोमड़ी रोटी के टुकड़े को अपनी चोंच में लिया तथा वह से चली गई।	बच्चें उसे ध्यान से सुन रहा था	लोमड़ी और कौआ की कहानी 116 — लोमड़ी ने कौआ से कहा आपकी आवाज बहुत मिठी है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	"	"	"
	जब लोमड़ी कौआ गाना गाते-गाते नीचे देखा तो वह कोई नहीं था। कौवे ने कुछ देर सोचा।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।	
लोमड़ी और कौआ	फिर उसे अमास हुआ कि शायद लोमड़ी रोटी के टुकड़ा को पाने के लिए मेरी झूठी प्रशंसा की थी।		हम बच्चों को इस कहानी से शिक्षा मिलता है कि हमें झूठी प्रशंसा से बचना चाहिए।
			जब कौआ गाना गाने के लिए अपना मुंह खोला तो रोटी नीचे गिर गई।
शिक्षा –	झूठी प्रशंसा से बचनी चाहिए		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न

1. पेड़ पर कौन बैठा था?

(2) भोजन की तलाश में कौन था?

(3) लोमड़ी ने कौवे से क्या-क्या और क्यों?

(4.) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

गृहकार्य :- बच्चों। आज हमने जो कहानी पढ़ाई है वह लिखकर याद कर लानी है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Date 12/02/018 **LESSON No.** 12

Pupil Teacher's Name Yogeshwar kumar

Duration of the period 40 Min

Class VII

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Subject हिन्दी

Average Age of the pupils 13 वर्ष

Topic हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

आवश्यक सामाग्री :- चॉक, संकेतक, श्यामपट्ट, झाडन, आदि

सामान्य उद्देश्य :- ① छात्रों का मानसिक व बौद्धिक विकास करना।

② छात्रों की हिन्दी भाषा में रुचि पैदा करना।

③ छात्रों को सामान्य ज्ञान की जानकारी देना।

④ छात्रों में तर्कशीलता बढ़ेगी।

विशिष्ट उद्देश्य :- ① छात्रों को राष्ट्रीय चिन्हों के बारे में बताना।

② छात्रों को राष्ट्रीय प्रतीक के महत्वों को बताना।

③ छात्रों को राष्ट्र के प्रति जागरूक करना।

④ छात्रों को राष्ट्रीय महत्वों को समझाना।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

1	हमारे देश का क्या नाम है?	सर! भारत
2	हमारा देश कब आजाद हुआ	15 अगस्त, 1947
3	हमारे संविधान का निर्माण हुआ।	15 अगस्त, 1947
4	हमारे राष्ट्रीय गीत तथा गान कौन सा है?	राष्ट्रीय गीत - वन्दे मातरम, राष्ट्रीय गान - जन-गण-मन
5	छात्रों! अब बताओ कि हमारे देश का राष्ट्रीय प्रतीक क्या है?	समस्यात्मक प्रश्न

उपविषय की घोषणा :- बच्चों! आज हम 'हमारे राष्ट्रीय प्रतीक' उपविषय पर विचार-विमर्श करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक - क्रिया	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
हमारे राष्ट्रीय प्रतीक	भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र है। कुछ देश की स्वतंत्र तथा संस्कृति के परिचायक हैं भारत वासी राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान और निष्ठा की भावना रखते हैं	सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं	भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र है कुछ देश का स्वतंत्रता संस्कृति के परिचायक हम प्रकार हैं
	स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात प्रतीक के पश्चात भारत में तिरंगे झण्डे को राष्ट्र ध्वज के रूप में अपनाया गया झण्डे में समान आकार के तीन पट्टियाँ हैं झंडे की लम्बाई इसकी चौड़ाई से डेढ़ गुणा अधिक है यह राष्ट्र ध्वज हाथ से बनी रेशम का होता है		राष्ट्र ध्वज में तीन रंग होता है ① केसरिया ② सफेद ③ हरा।
	राष्ट्र ध्वज के केसरिया रंग न्याय बतलाती है		
	सफेद रंग शांति के प्रतीक होता है		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट्ट
विकासात्मक प्रश्न	हरा रंग हरा रंग हरियाली का प्रतीक है	सभी छात्रों ने राष्ट्रीय गीत के महत्व को समझा।	राष्ट्रध्वज फहराने के कुछ नियम निश्चित हैं।
राष्ट्र ध्वज का वर्णन	राष्ट्रध्वज फहराने के लिए कुछ नियम निश्चित हैं। सरकारी भवनों में प्रातः काल से सायं काल तक राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है सूर्यास्त के समय ध्वज उतार लिया जाता है ध्वज का अपमान करना अपराध है।		
राष्ट्रीय गान	रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा, 'जन-गण-मन' गीत लिखा गया जो हमारे राष्ट्रीय गान के रूप में गाया जाता है जब राष्ट्रीय गान गाया जाता है तब सब लोग सावधान की मुद्रा में खड़े होते हैं, राष्ट्रीय गान सामूहिक मुद्रा में गाया जाता है	सभी छात्रों ने राष्ट्रीय गान को सुना तथा उसके महत्व को समझा	राष्ट्रीय ध्वज में कितने रंग होते हैं? - तीन रंग होते हैं। 122

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	"	"	"
राष्ट्रीयगीत	बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा लिखित "वन्दे मातरम गीत को राष्ट्रीय गीत का स्थान प्राप्त है। 'भारत के राष्ट्रीय चिन्ह सारनाथ के 'अशोक चक्र' से लिया गया है। इसमें 'चार सिंह' हैं किन्तु चिन्ह में तीन ही सिंह दिखाई देते हैं। सिंहों के नीचे घोड़े और बैल के चिन्ह हैं।	सभी छात्र ने राष्ट्रीय गीत के महत्व को समझा।	राष्ट्रीयगीत बंकीम चटर्जी के द्वारा - वन्दे मातरम् लिखि गई थी 123
हमारे राष्ट्रीय गीत.	इसके नीचे 'सत्यमेव जयते' लिखा रहता है इसका अर्थ है - सत्य की विजय होती है। 'मोर' हमारा राष्ट्रीय पक्षी है और बाघ हमारा राष्ट्रीय होने के कारण बाघ को पशुओं का महत्वपूर्ण स्थान है।		मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न

1. राष्ट्रीय प्रतीक कौन - कौन से है?
2. राष्ट्रीय ध्वज में कितने रंग हैं?
3. राष्ट्रीय गान किसने लिखा है?
4. राष्ट्रीय गीत के लेखक कौन हैं?
5. राष्ट्रीय पशु कौन-सा है?

गृहकार्य :-

बच्चों। आज हमने जो 'राष्ट्रीय प्रतीक' के बारे में पढ़ा है, वह लिखकर लाना है।

Ravi

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 13

Date 19/02/018

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar

Class VIII

Subject हिन्दी

Duration of the period 40 min.

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Average Age of the pupils 13 वर्ष

Topic शिष्टाचार

सहायक सामग्री :— चॉक, श्यामपट्ट, झाड़न, पुस्तक इत्यादि।

सामान्य उद्देश्य :— ① छात्रों को हिन्दी भाषा का ज्ञान कराना।

② छात्रों के कल्पना शक्ति को बढ़ाना।

③ छात्र शिष्टाचार के बारे में याद करेंगे।

④ छात्रों में सृजनात्मक शक्ति का विकास करना।

⑤ छात्रों को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना।

विशिष्ट उद्देश्य :— ① छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होगी।

② छात्रों में तर्क शक्ति को बढ़ाना।

③ छात्र विचारों में आदान-प्रदान करेंगे।

④ छात्र शिष्टाचार के ज्ञान के बारे में आगे बढ़ेंगे।

पूर्वज्ञान परीक्षण :—

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र-क्रियाएँ
1. लोग घर पर आतीथी के साथ कैसा व्यवहार करता है?	सर! अच्छा व्यवहार करता है।
2. घर पर आए आतीथी को हम किसके समान मानते हैं?	भगवान के समान मानते हैं।
3. घर पर आए मेहमान का स्वागत करने वाला किस भाव को प्रदर्शित करता है।	मेहमान का स्वागत करने वाला मधुर और सभ्य भाव को दर्शाता है।
4. इस प्रकार किए गए व्यवहार को हम क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उपविषय की घोषणा :— बच्चों ! आज हम शिष्टाचार के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे।

—: प्रस्तुतीकरण :—

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिष्टाचार	छात्राध्यापक - क्रिया	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
शिष्टाचार	शिष्टाचार, शिष्ट और आचार दो शब्दों से मिल-कर बना है। शिष्ट का अर्थ है - सभ्य, सज्जन और आचार के अभिप्राय है - आचरण और व्यवहार। इस प्रकार शिष्टा-चार्य का अर्थ हुआ - एक सभ्य सामाजिक प्राणी। समाज में भिन्न-भिन्न प्रकार के लोग रहते हैं।	सभी छात्रों ने शिष्टाचार का अर्थ समझा।	शिष्टाचार्य शिष्ट + आचार्य दो शब्दों से मिलकर बना है
	हमें सबके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए, ताकि हम दूसरों से भी अच्छा व्यवहार के आशा कर सकें। अगर हम दूसरों के साथ दुर्व्यवहार या मधुर बोली नहीं बोलते हैं तो दूसरा भी हमारे साथ वहीं व्यवहार करेगा।	सभी छात्रों ने लिखने के कार्य शुरू किया	शिष्टाचार आदि भाव दो शब्दों से मिल कर बना है जिसका अर्थ होता सभ्य।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
शिष्टाचार की आवश्यकता	इसलिए हमें चाहिए कि समाज में हमारा आचरण अच्छा हो, यदि परिवार के किसी सदस्य के व्यवहार अच्छा नहीं हो तो भी हमें उसके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। अगर हम निरन्तर ऐसा करेंगे तो उन सब के व्यवहार धीरे-धीरे आपके प्रति अच्छा चला जाएगा। इससे परिवार में शांति एवं सुकून भी बना रहेगा।	सभी छात्रों ने ध्यान से सुना और अपनी कॉपियों में लिखना आरम्भ किया।	शिष्टाचार का अर्थ है सज्जन, सभ्य, मर्यादापूर्ण, व्यवहार इत्यादि 128
	इसी तरह समाज के व्यक्तियों का आचरण भी अनुशासित तथा नेक रहेगा तो हमारा समाज आपसी झगड़े झंझट को छोड़कर विकास की ओर कदम बढ़ाएगा। जिससे हमारा देश भी तरक्की करेगा।		समाज के व्यक्तियों का आचरण और व्यवहार तथा नेक रहेगा।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिष्टाचार	मनुष्य को हमेशा दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। ताकि सभी लोग उसी के इज्जत करें और वह शिष्टाचारी मनुष्य कहलाने के लायक हो जाए। शिष्टाचारी मनुष्य का सब मिशाल देते हैं। लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं और उन्हें की तरह बनने की कोशिश करते हुए उन्हीं के पथ पर चलते हैं। इसलिए मनुष्य का आचरण सदैव अच्छा होना चाहिए, ताकि समाज भी उसका सम्मान करें।		सभी छात्रों ने ध्यान पूर्वक सुना व अपनी कॉपियों पर लिखना शुरु किया।	मनुष्य को हमेशा दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए शिष्टाचार का महत्व मनुष्य को हमेशा दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। 129

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न :-

1. शिष्टाचार का क्या अर्थ है?

2. शिष्टाचार का संधी-विच्छेद क्या होगा।

3. हम अतिथि को क्या कहते हैं?

4. मनुष्य का व्यवहार कैसा होना चाहिए।

5.

गृह कार्य :- बच्चों। आज हमने जो शिष्टाचार के बारे में पढ़ा है, वह लिखकर व याद कर के लाना है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 14

Date 26/02/018

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar

Class VII

Subject हिन्दी

Duration of the period 15 मीनट

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Average Age of the pupils 13 वर्ष

Topic वर्षा ऋतु

सहायक समाग्री :- चौक, संकेतक, श्यामपट्ट, पुस्तक, डस्टर आदि।

सामान्य उद्देश्य :- (1) छात्रों को हिन्दी विषय में रूची पैदा करना।

(2) छात्रों का मानसिक तथा बौद्धिक विकास करना।

(3) छात्रों को सामान्य ज्ञान के बारे बताना।

(4) छात्रों के हिन्दी लेखन में सुधार।

विशिष्ट उद्देश्य :- (1) छात्रों को भारत के ऋतुओं के बारे में बताना।

(2) छात्रों में वर्षा ऋतु के महत्व के बारे में जानकारी देना।

(3) छात्रों को वर्षा ऋतु के मनमोहक दृश्य से अवगत कराना।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षण

	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ
1.	भारत में कितनी ऋतुएँ हैं?	भारत में छः ऋतुएँ हैं।
②	सभी ऋतुएँ के नाम बताएँ।	ग्रीष्म, वर्षा, शरद, शिशिर, बसन्त, पतझड़।
3.	ग्रीष्म ऋतु के बाद कौन सी ऋतु आती है।	वर्षा ऋतु।
4.	वर्षा ऋतु कौन सी महीने में आती है, और इसके क्या-क्या लाभ हैं?	समस्यात्मक प्रश्न छात्र उत्तर देने में असमर्थ थे।

<u>उपविषय की घोषणा</u> :— छात्रों हम आज वर्षा ऋतु के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया		
वर्षा ऋतु का वर्णन	भारत एक कृषि प्रधान देश है। जहाँ क्रम से क्रम छः ऋतु होती हैं। वर्ष में शरद, वर्षा, ग्रीष्म, शीशीर बसन्त, पतझड़ का आगमन होता है। इसमें वर्षा ऋतु का महत्वपूर्ण स्थान है, हमारी कृषि प्रायः वर्षा ऋतु पर निर्भर है जिस साल वर्षा नहीं होती, उस साल अकाल पड़ने का भय रहता है। अतः वर्षा ऋतु हमारे जीन के लिए जीवन दायिनी समझी जाती है।	सभी छात्र ने ध्यान पूर्वक सुन एवं समझ अपनी कॉपियों में लिखता है	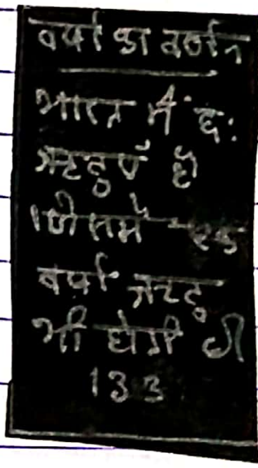 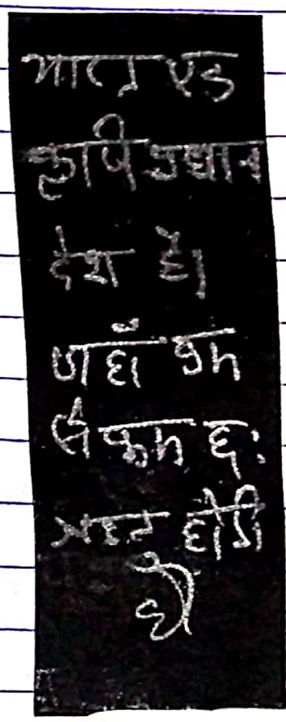
भीषण गर्मी का वर्णन	ग्रीष्म में जब भगवान सूर्य भग्य रूप धारण कर लेते है तो लोगों के न दिन और न हि चैन मिलता है ।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

800

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट्ट
वर्षा ऋतु	वर्षा ऋतु का इंतजार करते हैं ताकि व्यक्ती को थोड़ी चैन मिले। किसान अकाल के भय से चिंतित रहते हैं। इन्द्र देवता को प्रसन्न करने के लिए गीत गाता है, वर्षा की कामना किया जाता है।	सभी छात्रों ने ध्यानपूर्वक सुनने के बाद वर्षा ऋतु के मन में दृश्य को आनन्दित	हम वर्षा ऋतु का इंतजार करते हैं ताकि हमारे खेतों में हरियाली आए।
वर्षा ऋतु का आरम्भ	हमारे देश में वर्षा ऋतु आसाढ़ मास में शुरू होता है तथा आश्विन मास तक समाप्त हो जाता है। गर्मी में जलवाष्प बनकर ऊपर उठता है तो यह जल आकाश में जाकर बादल का रूप धारण कर लेता है यही फिर वर्षा के रूप में जमीन पर आ जाता है। पक्षी वर्षा में नाच के खुश हो जाता है		वर्षा ऋतु में चारों तरफ पानी ही पानी होने से बाढ़ की सम्भावनाएं होती है। 134

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	"	"	"	"
	पशु सभी वर्षा का संघर्ष स्वागत करते हैं। पक्षी राज्य मयूरी आशमान में बैठी काली घटाओं को देख कर नाचते हो			वर्षा ऋतु का मनमोहक दृश्य :- वर्षा ऋतु के सनक्ष आका-श में काले -काले बादल छाए रहते थे 135
वर्षा ऋतु का मन मोहन दृश्य	वर्षा का दृश्य मनमोहक होता है आकाश में काले -काले मेघ छा जाते हैं उस समय ऐसा लगता है, मानों बड़े-बड़े पर्वत आशमान में उड़ रहे हैं।	सभी छात्रों ने ध्यानपूर्वक सुना एवं समझा		
	कभी बादल गरजता है तो कभी बिजली मस्कती है कड़कती है ; फिर वर्षा की छड़ी लग जाती है चारों ओर पानी हो जाता है। वर्षा होते ही पृथ्वी का रंग बदल जाता है तथा सभी खुश हो जाते हैं			सभी वर्षा का संघर्ष स्वागत करी है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृति प्रश्न :-

1. भारत में कितनी ऋतुएं हैं?
2. वर्षा ऋतु कब आरम्भ होती है?
3. अधिक वर्षा होने पर किसका खतरा रहता है?
4. वर्षा ऋतु में कौन-कौन से त्योहार आते हैं?
5. वर्षा न आने पर किसान क्या सोचते हैं?

गृहकार्य :- बच्चों! आज जो हम वर्षा ऋतु के बारे में पढ़ा है, वह लिख कर एवं याद कर लाना है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 15

Date 28/02/018

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar

Class VII

Subject हिन्दी

Duration of the period 35-40 Min

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Average Age of the pupils 13 वर्ष

Topic संज्ञा के भेद

सहायता सामाग्री :- चॉक, पुस्तक, श्यामपट्ट, संकेतक, झाड़न आदि।

सामान्य उद्देश्य :- (1) छात्रों को हिन्दी विषय पूरी जानकारी प्राप्त होगी।

(2) छात्रों को संज्ञा के भेद के महत्वों के बारे में जानकारी होगी।

(3) छात्रों में सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा।

(4) छात्रों के हिन्दी लेखन में सुधार।

विशिष्ट उद्देश्य :- (1) छात्रों को संज्ञा के बारे में बताना।

(2) छात्रों को संज्ञा के भेदों के बारे में बताना।

(3) छात्रों को हिन्दी व्याकरण की शुद्धि अशुद्धि के बारे में बताना।

:- पूर्वज्ञान परीक्षण :-

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र-क्रियाएँ
(1) किसी छात्र से आपका क्या नाम है?	मेरा नाम आलोक कुमार है।
(2) भारत की राजधानी कहाँ है?	भारत की राजधानी दिल्ली है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

③ बच्चों ! तुम सब किस चीज से लिखते हो ?	सर ! हम पेन से लिखते हैं।
④ राजेश्वर, पेन, दिल्ली यह सब किस रूप में प्रयुक्त होता है और उन्हें क्या कहते हैं ?	समस्यात्मक प्रश्न ।

उपविषय की घोषणा :– बच्चों ! आज हम संज्ञा एवं इसके भेदों के बारे में पढ़ेंगे एवं विचार-विमर्श करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :–

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक - क्रिया	छात्र - क्रियाएँ	श्यामपट्ट
संज्ञा की परिभाषा	संज्ञा वह शब्द है जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के बोध कराती है।		संज्ञा का उदाहरण मोहन कल दिल्ली जाएगा। पर्वत की ऊँचाई क्या है? 13?
उदाहरण :-	मोहन कल दिल्ली जाएगा। इस पर्वत की ऊँचाई क्या है? इस वाक्य में मोहन किसी व्यक्ति का नाम है। पर्वत किसी स्थान के भाव प्रकट करती है।		संज्ञा वह शब्द है जो किसी व्यक्ति, वस्तु का बोध कराती है।
संज्ञा के भेद	संज्ञा के तीन भेद हैं :— (1) व्यक्तिवाचक संज्ञा (2) भाव वाचक संज्ञा (3) जातिवाचक संज्ञा		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र-क्रियाएं	श्यामपट
व्याक्ती वाचक संज्ञा	जो संज्ञा किसी विशेष व्याक्ती, वस्तु स्थान आदि का बोध करता है। वह व्याक्ती वाचक संज्ञा है।	छात्र सुन रहे है।	व्याक्तिवाचक संज्ञा जो किसी व्याक्ति, स्थान वस्तु संज्ञा का बोध कराती है उसे व्याक्ती वाचक संज्ञा कहते है 140
उदाहरण	महेश, हिमालय, गंगा आदि। ① महेश एक होशियार लड़का है। ② हिमालय एक पर्वत है		
	इस वाक्य में हिमालय और महेश व्याक्ती वाचक संज्ञा है।	सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है।	
	जिस संज्ञा से किसी जाति, वर्ग या समूह का बोध होता है। उसे जाति वाचक संज्ञा कहते है। जैसे :- आदमी, चोर, गाय, पुस्तक आदि।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
उदाहरण -	'शेर' जंगल का राजा है।" शेर एक पूरी जाति का बोध कराता है। इस लिए जाति वाचक संज्ञा है		शेर जंगल का राजा है। शेर एक पूरी जाति का बोध क..
भाववाचक संज्ञा	जो संज्ञा किसी गुण स्वभाव, स्थिति या अवस्था का बोध कराती है। वह भाववाचक संज्ञा होता है। जैसे :- सच्चाई, प्रेम, बचपन, ईमानदारी, शीतलता आदि	सभी छात्र ध्यान से सुन रहे हैं एवं अपनी कॉपियों में लिख रहे हैं।	
उदाहरण :-	सदा सच्च बोलो। मोहन ईमानदार व्यक्ति है। हमें सदा दूसरों के प्रति शीतलता बरतनी चाहिए।		जातिवाचक संज्ञा का उदा० - शेर जंगल का राजा होता है। शेर जाति का बोध कराता है 141

UNITEDSECULARSOCIETY

Scanned by CamScanner

पुनरावृत्ति प्रश्न

1. संज्ञा किसे कहते हैं?

2. संज्ञा के कितने भेद हैं?

3. व्यक्तिवाचक संज्ञा का अर्थ बताते हुए कोई एक उदाहरण दीजिए।

4. 'सदा सत्य बोलो।' में कौन-सी संज्ञा है?

5. भाववाचक संज्ञा की परिभाषा दीजिए।

गृहकार्य :

बच्चों। हमने आज जो संज्ञा और उसके भेदों के बारे में पढ़ा है वह घर से पढ़कर व लिखकर लाना है।

Ravi

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

DISCUSSION LESSON - 11

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

LESSON No. 01

Date 08/12/017

Duration of the period 30 मीनट

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VII

Average Age of the pupils 14 वर्ष

Subject हिन्दी

Topic काल के भेद

आवश्यक सामाग्री :- चॉक, श्यामपट्ट, झाड़न, संकेतन आदि।

सामान्य उद्देश्य :- ① छात्रों को हिन्दी भाषा का ज्ञान करना।

② छात्रों को हिन्दी भाषा का ज्ञान कराना।

③ छात्रों को मानसिक तथा बौद्धिक विकास करना।

④ छात्रों में शब्द के प्रति जागरूकता को विकसित

विशिष्ट उद्देश्य :- ① छात्रों को शुद्ध तथा अशुद्ध से अवगत कराना।

② छात्रों को काल उपविषय के बारे में बताना।

③ छात्रों को काल के भेदों के बारे में बताना।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र-क्रियाएं
1. क्रिया किसे कहते है?	1.→ जिस शब्द से किसी कार्य का होना या करना पाया जाए उसे क्रिया कहते है।
2. क्रियाएं कौन-कौन	2 → खाना, पीना, सोना, पढ़ना इत्यादि,
3. क्रिया के मूल रूप को क्या कहते है?	3 → क्रिया के मूल रूप को धातु कहते है?
4. 'बालक फल खाता है' इसमें कौन-सी क्रिया है?	4 → समस्यात्मक प्रश्न :- सभी छात्र उत्तर देने में असमर्थ है।

उपविषय की घोषणा :- बच्चों आज हम काल के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट
काल	क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का बोध होता है उसे काल कहते हैं		क्रिया के जिस रूप से कार्य के बोध को होते काल कहते है
उदाहरण :-	जैसे :- कृष्ण ने किसको मारा था। बालक फल खाता है।		
	मारा था - क्रिया से कार्य के समय के समाप्त होने का ज्ञान होता है	सभी छात्र ध्यान से सुन रहे हैं एवं समझ रहे हैं	
	खाता है - क्रिया कार्य के पहले चलने रहने का ज्ञान होता है	उदाहरण को अपने कापियों में लिख रहे हैं।	उदाहरण :- कृष्ण ने किसको मारा 145
	पढ़ेगी क्रिया :- कार्य के आगे आने वाले समय में होने का पता चलता है। इस आधार पर		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक-क्रिया	छात्र-क्रियाएँ	श्यामपट्ट
काल के भेद	काल के भेद इस प्रकार है – कुछ समय पूर्व कार्य के होने का बोध हो उसे आसन्न काल कहते है।		आसन्न काल कुछ समय पूर्व समाप्त के होने का बोध हो उसे आसन्नकाल कहते है 146
उदाहरण :-	मैं समय पर पढ़ता हूँ। (1) वे बालक गेंद से खेल रहे हैं। (2) तुम जाते हो। (3) मैं जाता हूँ। (4) यह सभी वर्तमान (आसन्न) काल का उदाहरण है।	छात्रों ने ध्यान से सुना एवं समझा और कुछ छात्रों ने उदाहरणों को दोबारा भी पूछा।	कुछ समय पूर्व कार्य के होने का बोध हो उसे आसन्न काल कहते
पूर्णभूत काल	कुछ समय पूर्व कार्य के हो चुकने का बोध हो, उसे पूर्णभूत काल कहते है		
उदाहरण	(1) मैंने फल खरीदे थे (2)		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	"	"	"
	(2) रावण ने सीता का हरण किया था।		भूत काल में प्रारंभ किए गए कार्य का अभी भी समाप्त न होने का बोध है
अपूर्णभूत काल	भूत काल में प्रारंभ किए गए कार्य का अभी भी समाप्त न होने का बोध हो, उसे अपूर्णभूत काल कहते हैं।	सभी छात्रों ने ध्यान-पूर्वक सुना एवं समझा और 'कार्य' को अपनी कॉपियों में लिखना प्रारंभ किया।	
उदाहरण	-(1.) राधा नाच रही थी।		
	(2) सीता गा रही थी।		संदिग्ध काल का अर्थ
संदिग्ध भूतकाल	भूतकाल की क्रिया के करने या होने में संदेह का बोध होना, संदिग्ध भूतकाल कहलाता है।		भूत काल की क्रिया किए हुए घटनाओं का बोध कराती है।
	सिपाही ने चोर को पकड़ लिया था।		

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

	यह सिद्ध होता है कि क्रिया के तीन काल हैं – ① वर्तमान काल ② भूतकाल ③ भविष्य काल	सभी छात्र ध्यान से सुन रहे हैं	क्रिया के जिस रूप का बोध हो उसे वर्तमान काल कहते हैं।
वर्तमान काल –	क्रिया के जिस रूप का बोध हो उसे वर्तमान काल कहते हैं।		
उदाहरण –	① मैं समय पर पढ़ता हूँ। ② अध्यापक कक्षा में पढ़ाता है। ③ मैं जाता हूँ।	सभी छात्र ध्यान से सुन रहे हैं	
	यह सभी वर्तमान काल का उदाहरण है	व साथ याद करना भी शुरू कर रहे हैं।	
भूतकाल	क्रिया के जिस रूप से कार्य का समाप्त हो जाने का बोध हो उसे भूतकाल कहते हैं अथवा बीते हुए समय का बोध होता है।		काल के तीन भेद :- ① वर्तमान काल ② भूतकाल ③ भविष्य काल 182

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

"	" "	"	"
उदाहरण :-	① गौतम बुद्ध शुद्धोधन के पुत्र थे। ② उसने एक गीत गाया। ③ हम कल बाग में गए थे।		भविष्य काल के उदाहरण ① घोड़ा घास खाएगा ② सीता गाना गाएगी। 149
भविष्य काल	क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय का बोध होता है, उसे भविष्य काल कहते हैं।	कुछ छात्रों ने उदाहरणों को दुबारा सुनाया तथा कुछ छात्रों ने नये उदाहरण भी दिए।	क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय का बोध होता है
उदाहरण :-	① घोड़ा घास खाएगा। ② मैं अब नहीं खेलूंगा। ③ मोहन कल T.V खरीदेगा ④ गीता खाना खाएगी यह सभी उदाहरण भविष्य काल हैं।		

पुनरावृत्ति प्रश्न

(1) काल के कितने भेद है?

(2) काल किसे कहते है?

(3) भविष्य काल का उदाहरण दीजिए।

(4) वर्तमान काल का कितने भेद है?

(5) भूत काल का कितने भेद है?

(6) भविष्यकाल के कितने भेद है?

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

OBSERVATION LESSONS

Scanned by CamScanner

Observation Lesson No. 01

Date ...... / / ......

Duration of the period ...... 35–40 Min

Pupil Teacher's Name ...... Yogeshwar Kumar

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VIII

Average Age of the pupils ...... 13 वर्ष

Subject ...... हिन्दी

Topic ...... लोमड़ी और कौवा

1. पूर्वज्ञान परीक्षण उचित प्रकार से की गई।
2. छात्राध्यापक ने विश्वास के साथ पढ़ाया।
3. कक्षा में अनुशासन था।
4. श्यामपट्ट का उचित प्रयोग किया गया।
5. छात्रों में कक्षा शिक्षण में रूचि थी।
6. उदाहरण सरल तथा विषय से सम्बन्धित था।
7. शिक्षण के दौरान छात्रों ने सही कार्य किया।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 02

Date ...... / / ......

Duration of the period ...... 35–40 Min

Pupil Teacher's Name ...... Yogeshwar Kumar

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VIII

Average Age of the pupils ...... 13 वर्ष

Subject ...... ~~हिन्दी~~ English

Topic ...... संज्ञा

1. श्यामपट्ट का सही प्रयोग किया।
2. पूर्वज्ञान परीक्षण उचित प्रयोग से की गई।
3. कक्षा में अनुशासन था।
4. छात्रों का कम सहयोग लिया गया।
5. उदाहरण सरल और स्पष्ट थे।
6. संज्ञा की अच्छी प्रकार से व्याख्या की।
7. छात्राध्यापक में आत्म विश्वास था।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Observation Lesson No. 03

Date / /
Duration of the period 35-40 मिनट
Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar
Pupil Teacher's Roll No. 2003
Class VIII
Average Age of the pupils 11 वर्ष
Subject सामाजिक शास्त्र
Topic जनसंख्या

1. पूर्वज्ञान परीक्षण नहीं।
2. श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया।
3. छात्रों की शिक्षण के साथ कुछ रूचि थी।
4. छात्रों में सहयोग की भावना नहीं।
5. पुनरावृत्ति प्रश्न भी पूछे गए।
6. छात्राध्यापक में आत्मविश्वास था।
7. कक्षा में अनुशासन बना रहा।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

UNITED SECULAR SOCIETY

Observation Lesson No. 04

Date / /
Duration of the period 40 min
Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar
Pupil Teacher's Roll No. 2003
Class VII
Average Age of the pupils 12 वर्ष
Subject विज्ञान
Topic छोटे बिन्दु

1. छात्राध्यापक में आत्म विश्वास था।
2. छात्राध्यापक की आवाज प्रवाहपूर्ण थी।
3. आगमन एवं निगमन विधि का प्रयोग किया गया।
4. चित्र का प्रयोग किया गया।
5. कक्षा में अनुशासन था।
6. छात्रों को कॉपी पर लिखवाया गया।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Scanned by CamScanner

Observation Lesson No. 05

Date ..../..../....

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar

Class VIII

Subject गणित

Duration of the period 40 Mim.

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Average Age of the pupils 13 वर्ष

Topic वर्गमूल

1. छात्राध्यापक ने आत्मविश्वास के साथ समझाया।
2. पूर्वज्ञान परीक्षण विषय पर ही निर्भर थी।
3. आगमन विधी पर प्रयोग किया गया।
4. उद्देश्य कथन की घोषणा की गई।
5. पुनरावृत्ति भी की गई।
6. आवाज शुद्ध एवं स्पष्ट थी।
7. उदाहरण सहित छात्रों को समझाना।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 06

Date ..../..../....

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar

Class VIII

Subject संस्कृत

Duration of the period 40 mim

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Average Age of the pupils 14 year

Topic संस्कृत

1. पूर्व ज्ञान परीक्षण ली गई।
2. निगमन विधि का प्रयोग किया गया।
3. कॉपी पर साथ-ही-साथ लिखवाया।
4. कक्षा में अनुशासन था।
5. छात्राध्यापक ने श्यामपट्ट पर लिखकर समझाया है।
6. व्याख्या में पूछे गए प्रश्न विषय से संबंधित थे।
7. उदाहरणों द्वारा समझाया।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Observation Lesson No. 07

Date. / /　　Duration of the period. 40 min

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar　　Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class. VIII　　Average Age of the pupils. 14 वर्ष

Subject. हिन्दी　　Topic. पर्यावरण एवं प्रदूषण

1. पूर्वज्ञान परीक्षण विषय से सम्बन्धित।
2. छात्राध्यापक में आत्मविश्वास था।
3. उचित उदाहरणों का प्रयोग किया गया।
4. श्यामपट्ट का उचित प्रयोग किया गया।
5. कक्षा में अनुशासन था।
6. पाठ पढ़ाने के बाद छात्रों से उदाहरणों को भी पूछा गया।
7. छात्रों से भी पाठ पढ़वाया।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher　　Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 08

Date. / /　　Duration of the period. 40 मीनट

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar　　Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class. VII　　Average Age of the pupils. 11 वर्ष

Subject. ~~English~~ हिन्दी व्याकरण　　Topic. समास

1. पूर्वज्ञान परीक्षण की गई।
2. छात्राध्यापक की आवाज स्पष्ट तथा तेज थी।
3. श्यामपट्ट का उचित प्रयोग किया गया।
4. कक्षा में अनुशासन था।
5. छात्रों को सामान्य ज्ञान की बातें बताई।
6. उदाहरणों द्वारा समझाया गया।
7. अध्यापक तथा छात्रों में तालमेल था।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher　　Sign. of Supervisor

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

Observation Lesson No. 09

Date ...... / / ......

Duration of the period 40 min

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class VIII

Average Age of the pupils 14 वर्ष

Subject समाजशास्त्र

Topic आदिमानव

1. पूर्वज्ञान परीक्षण की गई।
2. श्यामपट्ट का उचित प्रयोग किया गया।
3. छात्रों को शिक्षण में रुचि थी।
4. उदाहरण द्वारा समझाया गया।
5. कक्षा में अनुशासन था।
6. छात्रों को समाज के कार्यों में भाग लेने के लिए कहा गया।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

UNITED SECULAR SOCIETY

Observation Lesson No. 10

Date ...... / / ......

Duration of the period 40 min

Pupil Teacher's Name Yogeshwar Kumar

Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class ......

Average Age of the pupils 14 वर्ष

Subject विज्ञान

Topic सूक्ष्म जीव-जन्तु

1. छात्राध्यापक ने आत्मविश्वास के साथ पढ़ाया।
2. आगमन विधि का प्रयोग किया गया।
3. श्यामपट्ट का उचित प्रयोग किया गया।
4. उदाहरणों द्वारा समझाया गया।
5. कक्षा में अनुशासन था।
6. तर्क-वितर्क किया गया।
7. अध्यापक ने स्पष्ट तथा तेज आवाज में पढ़ाया।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Scanned by CamScanner

Observation Lesson No. ..11.......

Date......./ /.......... Duration of the period....40 Min

Pupil-Teacher's Name...Yogeshwar Kumar... Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class......VII...... Average Age of the pupils.....12 वर्ष

Subject......सामाजिक शास्त्र...... Topic......आदिमानव का जीवन

1. पूर्वज्ञान परीक्षा ली गई।
2. छात्राध्यापक में विश्वास था।
3. उचित उदाहरणों का प्रयोग किया गया।
4. श्याम पट्ट का उचित प्रयोग किया गया।
5. कक्षा में अनुशासन था।
6. पाठ पढ़ाने के बाद छात्रों से उदाहरण भी पूछे।
7. छात्रों से भी पाठ पढ़वाया।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. ...12........

Date......./ /.......... Duration of the period.....40 min

Pupil Teacher's Name...Yogeshwar Kumar... Pupil Teacher's Roll No. 2003

Class.....VII...... Average Age of the pupils.....11 वर्ष

Subject.....समाज अध्ययन..... Topic.....पर्यावरण की समस्या

1. पूर्वज्ञान परीक्षण ली गई।
2. श्यामपट्ट का अच्छा प्रयोग किया गया।
3. छात्रों की शिक्षण के समय पूरा रूचि थी।
4. पुनरावृत्ति प्रश्न भी पूछे गए।
5. कक्षा में अनुशासन बना रहा।
6. छात्रों में सहयोग की भावना बढ़ी।
7. छात्राध्यापक में आत्मविश्वास था।

Yogeshwar Kumar
Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner

SCHOOL REPORT

भूमिका :- एस० भी० एन० उच्च विद्यालय, गोहाना स्कूल में स्थापित किया गया है। यह अच्छी संस्था के द्वारा चलाया गया। जो अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह जागरूक है। स्कूल के क्रियाओं के लिए पूरी तरह से जिम्मेवार है। अध्यापक जो शिक्षण के लिए चुने गए वह अपनी ड्यूटी पूरी तरह से निभा रहे हैं।

स्कूल का वातावरण :-

स्कूल का वातावरण बहुत ही अच्छा है। 20 कमरे हैं। सारे कमरे खुले एवं हवादार है। स्कूल के प्रवेश द्वार साफ सुथरे हैं सभी कमरों में पंखे लगे हुए हैं। यहा पर सफाई के लिए विशेष ध्यान दिया जाता है स्कूल में खेल के मैदान है, जो बच्चों की खेल - क्रियाओं में सुन्दर - सुन्दर फूल खिलते हैं और पेड़ पौधों भरा हुआ है। जो बहुत ही अच्छे व सुन्दर दिखाई देते हैं। इस स्कूल में पानी पीने की अच्छा व्यवस्था भी है।

पुस्तकालय :-

यहाँ एक पुस्तकालय भी है। जो कि बच्चों का सामान्य ज्ञान बढ़ाता है, जैसे :- दैनिक भास्कर, पंजाब केसरी, दैनिक वातावरण आदि। पुस्तकालय के सामने आचार्य की भी कमरा है।

Scanned by CamScanner

UNITED SECULAR SOCIETY

SCHOOL REPORT

छात्र क्रियाएं :- इस स्कूल के सभी छात्रों को पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में भाग लेना अनिवार्य है। इससे छात्रों में हौसला भी बढ़ता है। भविष्य में आने वाली कार्य में उत्सुकता भी बढ़ती है। पाठ्य सहगामी क्रियाओं में नाचना, गाना, कविता प्रतियोगिता, निबन्ध इत्यादि आते है।

अन्य सुविधाएँ :- इस स्कूल में क्लर्क रूम की अलग व्यवस्था है, जहाँ पर स्कूल के प्रत्येक कार्य या वस्तु पर का रिकार्ड रखा जाता है। यहाँ पर बच्चों में अच्छे नागरिक कर्तव्य के लिए NCC एवं एन० एस० एस० का भी प्रबन्ध किया गया। यहाँ पर लड़कियों के लिए अलग, लड़कों के लिए शौचालय की व्यवस्था है। यहाँ की पुस्तकालय एक योग्य स्टाफ के द्वारा चलाया जाता है।

निष्कर्ष :- अन्त में हम यही कहेंगे कि स्कूल की सारी संस्थाएं अपना काम पूरी जिम्मेदारी के साथ कर रह रहीं हैं। शिक्षण संस्था का स्कूल को स्थापित करने का जो उद्देश्य है, ताकि बच्चे अच्छा भविष्य प्राप्त कर सकें।

Ravi

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned by CamScanner